घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 156- बुधवार 08- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

मणिपुर : बम हमले में 2 बच्चों की मौत,घटना के विरोध में प्रदर्शन

इंफाल,07 अप्रैल 2026। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में कुछ उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब दो बच्चे और उनकी मां अपने बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। हालात को कंट्रोल करने के लिए इलाके में सिक्योरिटी फोर्स तैनात कर दी गई है। मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट,थौबल,काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा। खेमचंद ने कहा कि यह हमला एक बर्बर हरकत है और इंसानियत पर सीधा हमला है। यह मणिपुर में मुश्किल से मिली शांति को पटरी से उतारने की कोशिश है।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर,07 अप्रैल 2026। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर,राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था। अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सनका इस्तीफा उत्तराधिकारी की तलाश के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। एयरलाइन के अनुसार नए उत्तराधिकारी की घोषणा होने तक विल्सन सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के पद पर बने रहेंगे। एयरलाइन ने कहा कि विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था। तब से वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि संगठन और नेतृत्व दल बदलाव के लिए स्थिर स्थिति में हो। एयर इंडिया ने बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने आने वाले महीनों में नए प्रमुख की नियुक्ति के लिए एक समिति का गठन किया है, जो उनके उत्तराधिकारी की तलाश करेगी। न्यूजीलैंड मूल के कैंपबेल विल्सन पिछले चार साल से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एयरलाइन के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

महिला आरक्षण कानून से बढ़ेगा नेतृत्व...पीएम मोदी ने दोहराया-2029 से पहले लागू करने का प्रयास

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का वास्तविक प्रभाव में बदलना जरूरी है।

महिलाओं की भागीदारी और समावेशी शासन पर दिया जोर

प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के उस लेख पर की, जिसमें महिलाओं की विधायी भागीदारी बढ़ाने और समावेशी शासन की जरूरत पर जोर दिया गया है। एक्स पर मोदी ने कहा कि प्रतिनिधित्व का मतलब वास्तविक प्रभाव होना चाहिए। हमारी सरकार ने हर रूप में नारी शक्ति को प्राथमिकता दी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए भारत महिला-नेतृत्व वाले शासन की ओर बढ़ रहा है, जो विकसित भारत का एक अहम स्तंभ है।

मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से समर्थन की अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर खुले मन से समर्थन दें और राजनीतिक गणनाओं से ऊपर उठें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की माताओं और बहनों के विश्वास को जीतने का अवसर है, और सभी दलों को इसमें सहभागी बनना चाहिए।

सरकार 2029 से पहले लागू करने पर कर रही विचार

हालांकि,सरकार इस कानून को 2029 से पहले लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संसद के बजट सत्र को तीन दिन 16 से 18 अप्रैल तक बढ़ाने की घोषणा की है, ताकि कानून में आवश्यक संशोधन कर इसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, अगर सरकार परिसीमन प्रक्रिया से पहले इस कानून को लागू करना चाहती है, तो इसके लिए संविधान में एक और संशोधन करना होगा। माना जा रहा है कि संसद के विस्तारित सत्र में इस दिशा में प्रस्ताव लाया जा सकता है।

कांग्रेस बंगाल में 10 लाख तक मुफ्त इलाज देगी

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने खुद को राज्य में जनता के लिए तीसरे विकल्प के रूप में पेश करते किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 2,000 की आर्थिक सहायता, पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर तक फ्री शिक्षा और राज्य में मुफ्त सरकारी परिवहन सुविधा देने की घोषणा की गई है। किसानों के लिए घोषणापत्र में छोटे और भूमिहीन किसानों को हर साल ?15 हजार की सहायता राशि और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की बात भी कही गई है। हर परिवार को ?10 लाख तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवर देने का वादा किया है। कांग्रेस ने बंगाल के युवाओं के लिए युवा सम्मान योजना और बंगाल एम्प्लॉयमेंट गारंटी मिशन शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत एक साल में राज्य में सभी खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा।

पांच किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का सप्लाई कोटा हुआ दोगुना,प्रवासी मजदूरों और छात्रों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण देश में रसोई गैस की सप्लाई में हो रही परेशानी के बीच केंद्र सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी गैस सिलेंडर (फ्री ट्रेड एलपीजी-एफटीएल) के सप्लाई कोटे को दोगुना करने का ऐलान किया है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर के कोटा को बढ़ाए जाने का फायदा उन लोगों को मिलेगा, जो गांव से रोजी-रोटी की तलाश में या पढ़ने के लिए शहरों में आते हैं और खाना बनाने के लिए बिना कनेक्शन वाले इन छोटे सिलेंडर का उपयोग करते हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 5 किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर के कोटे को दोगुना करने के लिए पिछले महीने दो और तीन तारीख यानी दो और तीन मार्च को ओपन मार्केट में सप्लाई किए गए छोटे सिलेंडर की संख्या को आधार माना जाएगा। मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 5 किलोग्राम वाले छोटे एफटीएल सिलेंडर राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभागों को उपलब्ध कराए जाएंगे और इनकी सप्लाई सिर्फ प्रवासियों के लिए होगी। इन छोटे सिलेंडर के लिए स्थाई गैस कनेक्शन लेने की जरूरत नहीं होती है।

असम,केरल और पुदुचेरी में थमा चुनाव प्रचार 9 अप्रैल को मतदान,4 मई को नतीजे....

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। असम,केरल और पुदुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया है। इन तीनों क्षेत्रों की कुल 296 सीटों (असम-126, केरल-140, पुदुचेरी-30) पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा, जबकि मतों की गिनती 4 मई को होगी। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम,1951 की धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले साइलेंस पीरियड प्रभावी हो जाता है। इस अवधि में किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार, टीवी-रेडियो प्रसारण,रैलियों या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन 67 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। इनमें केवल 59 महिला उम्मीदवार हैं,जो कुल का लगभग 8 प्रतिशत है,जबकि महिला मतदाताओं की भागीदारी करीब 50 प्रतिशत है। राज्य में कुल

2.5 करोड़ मतदाता हैं,जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य की 15 वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला त्रिकोणीय है, जिससे चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत आवश्यक है। पुदुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष,5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए 1,099 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 610 शहरी और 489 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। इस बीच तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो चुकी है और उम्मीदवार 9 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकते हैं। तमिलनाडु की 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण की 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय राजनीति की दिशा तय करेंगे।

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर छापेमारी...

हिमंता बोले...पाताल से निकालेंगे,खेड़ा ने कहा था...सीएम की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट का आरोप लगाने के दो दिन बाद मंगलवार को असम पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के घर छापा मारा। हिमंता की पत्नी की एफआईआर के बाद यह कार्रवाई की गई है। हालांकि छापेमारी के वक्त पवन घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने घर से कुछ डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रिक डिवाइस सीज कीं। पवन के घर पर मौजूद नहीं होने पर हिमंता ने कहा कि गिरफ्तारी की चुनौती देने वाले खेड़ा अब हैदराबाद भाग गए हैं। कानून अपना काम करेगा। हम खेड़ा को पाताल से ढूंढकर ले आएंगे और पता करेंगे कि उन्हें फर्जी दस्तावेज किसने दिए। मुझे लगता है कि ये डॉक्यूमेंट्स शायद राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को दिए होंगे। 5 अप्रैल को पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और यूएई के पासपोर्ट हैं। हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों से इनकार किया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन आरोपों पर बात की और कहा कि सभी एजेंसियां केंद्र सरकार के अधीन हैं, इसलिए उसे ही इन आरोपों की जांच करनी चाहिए। हिमंत बिस्वा सरमा को भारत का सबसे भ्रष्ट' व्यक्ति।

राहुल गांधी तक पहुंचेगी जांच की आंच?

मुख्यमंत्री सरमा ने केवल पवन खेड़ा पर ही निशाना नहीं साधा, बल्कि सीधे तौर पर राहुल गांधी को भी इस मामले में घसीटा है। उन्होंने दावा किया है कि इस पूरे मामले की जांच का दायरा बढ़ेगा और आने वाले समय में राहुल गांधी से भी इस संबंध में कड़ी पूछताछ की जा सकती है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी अब अपने चरम पर है। जहां एक तरफ कांग्रेस इसे सत्ता का दुरुपयोग बता रही है, वहीं मुख्यमंत्री सरमा ने इसे अपनी निजी और पारिवारिक प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए आर-पार की लड़ाई का एलान कर दिया है।

डेडलाइन खत्म होने से पहले अमेरिका-इजराइल के ईरान पर ताबड़तोड़ हमले

तेहरान,07 अप्रैल 2026। अमेरिका और इजराइल ने मंगलवार को ईरान में कई जगहों पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। सबसे बड़ा हमला खर्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को टारगेट किया गया। ईरान का करीब 80 से 90 प्रतिशत कच्चा तेल इसी खर्ग आइलैंड एक्सपोर्ट होता है। इस तरह अमेरिका और इजराइल ने ईरान की आर्थिक कमर तोड़ने की कोशिश की है। इन हमलों पर ईरान ने कहा है कि वो इसका माकूल जवाब देगा। इसके अलावा अमेरिका और इजराइल ने ईरान के रिहाशी इलाकों और कोम-कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला हुआ है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकानों को निशाना बनाएगा।

ईरान ने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि तेहरान, कोम और लोरेस्तान प्रांत के खोर्रमबाद हवाई अड्डे सहित कई अन्य स्थानों पर धमाकों जिक्र है। साथ ही इससे पहले हमदान के एक रिहायशी इलाके पर हुए हमलों की भी जानकारी दी गई है।

राजनाथ का ममता सरकार पर हमला,बोले...बंगाल की स्थिति को किया बदतर

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में पश्चिम बंगाल की स्थिति बद से बदतर हो गई है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने बैरकपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन कार्यकाल के दौरान राज्य की आर्थिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भारत की कुल अर्थव्यवस्था में बंगाल का हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत से ज्यादा था,लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल गई है। अब बंगाल का देश की अर्थव्यवस्था में हिस्सा घटकर लगभग 6 प्रतिशत रह गया है। राजनाथ ने कहा कि जहां देश के अन्य

राज्यों में औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल में निवेश का माहौल कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई उद्योग राज्य से बाहर चले गए हैं और नए निवेशक भी यहां आने से हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी के राज में हालात ऐसे हो गए हैं कि यहां न्याय देने वाले ही सुरक्षित नहीं हैं। आज प्रदेश में ज्यूडिशियल ऑफिसर्स को रातभर बंधक बना लिया जाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने 'वंदे मातरम्' के रूप में केवल शब्द ही नहीं दिए थे, बल्कि एक सोई हुई और अपनी पहचान खो चुकी सभ्यता को उसका आत्मबोध भी कराया था। बंकिम बाबू ने भारतवासियों को यह याद दिलाया कि हम सभी भारत माता की संतान हैं। उन्होंने लोगों को स्वधर्म का महत्व समझाया और यह बताया कि स्वराज और स्वधर्म की कीमत क्या होती है। सिंह ने कहा कि भाजपा सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि काजी मासूम अख्तर बच्चों को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत गाने के लिए प्रेरित करते थे,जिसके कारण उस समय उन्हें तृणमूल सरकार द्वारा सजा दी गई थी, लेकिन उन्हीं काजी मासूम अख्तर को वर्ष 2020 में साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए केंद्र सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है,न कि सांप्रदायिकता फैलाने में। राजनाथ सिंह ने भाजपा के विकास संबंधी एजेंडे का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में बुनियादी ढांचे का विस्तार,उद्योगों की वृद्धि,रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। भाजपा चाहती है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के निवेशक बंगाल की धरती पर निवेश करें, ताकि राज्य के लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके और बंगाल विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ सके।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शांति लौटने के बाद विकास के पथ पर अग्रसर असम : अमित शाह

असम,07 अप्रैल 2026। आसन्न असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अंतिम चरण के प्रचार के दौरान बराक घाटी पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में असम में शांति वापस आई है और राज्य अब तेज गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को बराक घाटी के तीन जिलों श्रीभूमि, हैलाकांदी और सिलचर में आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया।

श्रीभूमि जिला के पथारकांदी में भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पाल, हैलाकांदी में भाजपा उम्मीदवार डॉ. मिलन दास के समर्थन में सभा में शामिल हुए। उसके बाद वे सिलचर में डॉ. राजदीप रॉय और उदारबंद सीट से राजदीप गोवाला के पक्ष में भी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। जनसभाओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता और भाजपा सरकार के दौरान राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि असम को देश के अन्य विकसित राज्यों की तरह आगे बढ़ाया जाएगा और आने वाले पांच वर्षों में इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

संपादकीय

बेतुकी बयानबाजी

चुनावों के समय कैसी घोर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी होती है, इसका उदाहरण है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह विचित्र प्रश्न कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले एक और पहलगाम हमले के लिए कोई खाका तैयार है? निःसंदेह वे संकेत रूप में यह कहना चाहती हैं कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे भाजपा का हाथ था। यह पहली बार नहीं कि जब किसी नेता ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बेजा बयान दिया हो। इस हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे कि आखिर आतंकियों के पास इतना समय कहां था कि वे लोगों को मारने के पहले उनका मजहब पूछते?

कुछ ने भारत सरकार पर पहलगाम गए पर्यटकों की सुरक्षा में जानबूझकर ढिलाई बरतने के आरोप मढ़े थे। इसे भी विस्मृत नहीं किया जा सकता कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने अपने संकीर्ण स्वार्थों को सिद्ध करने के फेर में केंद्र सरकार को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की थी। यह साफ है कि ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक को तुष्ट करने के लिए बेतुका बयान दिया, लेकिन ऐसा करके उन्होंने राष्ट्रीय हितों को गंभीर क्षति ही पहुंचाई।

उन्होंने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की उस धमकी के सिलसिले में उक्त बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत ने फिर से अपने लोगों पर ऐसी कोई कार्रवाई की,जिसका दोष पाकिस्तान पर मढ़कर उसे निशाना बनाया तो हम कोलकाता तक हमले करेंगे। निश्चित रूप से पाकिस्तानी रक्षा मंत्री यही कहना चाहते हैं कि पहलगाम हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं था और यह तो भारत का अपना कृत्य अर्थात फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन था,ताकि पाकिस्तान को निशाना बनाया जा सके। उन्होंने यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से इस्लामाबाद को दी गई इस चेतावनी के बाद दिया कि यदि पाकिस्तान से दोबारा आतंकी हमले हुए तो भारत अभूतपूर्व कार्रवाई करेगा। जैसे-जैसे पहलगाम हमले की बरसी करीब आ रही है,पाकिस्तान फिर से इस आतंकी हमले को भारत का अपना गुप्त ऑपरेशन करार देने में लगा हुआ है। यह निराशाजनक और शर्मनाक है कि ममता बनर्जी एक तरह से उसी झूठ को उच्चारित कर रही हैं,जिसे पाकिस्तान दोहरा रहा है। माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले। उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि पाकिस्तान अब भी भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने में जुटा हुआ है। वे इससे अनभिज्ञ भी नहीं हो सकतीं, क्योंकि हाल में ऐसे कई संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं,जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे। इनमें से कुछ तो बंगाल से गिरफ्तार किए गए हैं।

हिंद की चादर : गुरु तेग बहादुर जी

प्रो. शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

दुनिया में जितने भी धर्म है उन धर्मों में अपेक्षा कृत सिख धर्म बहुत बेहतर है। इसका कारण यह है कि इसकी बुनियाद सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी के द्वारा मानवता,भाईचारा,धार्मिक अंधविश्वास के खिलाफ, सामानता,

बांट कर खाना,परिश्रम करके खाना तथा धर्म की रक्षा के लिए कोई भी बलिदान देना आदि बातों पर आधारित है। पहले गुरु से लेकर दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह तक सभी ने तत्कालीन मुगल शासको के हाथों अन्याय, क्रूरता, दमन तथा भेदभाव का सामना किया। बाबर से लेकर औरंगज़ेब तथा बाद के मुगलों ने हिंदुओं को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए मजबूर किया। जिसने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया उसकी क्रूरता से हत्या करवा दी जाती थी और जो इस्लाम धर्म अपना लेता था उस हिंदू को छोड़ दिया जाता था। मुगल शासको का यह कारनामा चलता ही रहा है। असल में सिख धर्म के बढ़ते प्रभाव को मुगल बादशाह सहन नहीं कर सके। उन्हें लगा कि अगर सिख धर्म इसी तरह फैलता गया तो इस्लाम तो कमजोर होगा ही, उनका भी शासन नहीं रहेगा। सिख धर्म के पांचवे गुरु,गुरु अर्जन देव, जिन्होंने गुरु ग्रंथ साहब का संपादन किया,का प्रभाव देखकर मुगल बादशाह जहांगीर घबरा गया! उसने उन्हें बंदी बना लिया इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया। जब गुरु जी नहीं माने तब उन्हें क्रूरता से गरम तवे पर बिठाकर शहीद कर दिया गया। इस सारे के फल स्वरुप हिंदू समुदाय मुगलों के और खिलाफ हो गया

लेकिन इनमें सबसे ज्यादा जालिम मुगल बादशाह औरंगजेब था। वह हर रोज हिंदुओं के लाखों जनेऊ जलवा देता था,हिंदुओं की सर की चोटियों को कटवा देता था और उन्हें इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए यातनाएं देता था। औरंगज़ेब के क्रूर तथा अन्यायपूर्ण शासन हिंदुओं के लिए रहना मुश्किल हो गया । धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर जी ने अवतार लिया। गुरु तेग बहादुर जी को...हिंद की चादर...कहा जाता है क्योंकि उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया!

गुरु तेग बहादुर सिखों के नौवें गुरु हुए हैं। उनका जन्म 21 अप्रैल 1921 में अमृतसर में हुआ। उनके बचपन का नाम त्यागमल था। उनके पिता का नाम

हरगोविंद साहब तथा माता का नाम नानकी जी था। 14 साल की उम्र में मुगलों के साथ युद्ध में पराक्रम दिखाने के कारण गुरु हरगोविंद सिंह जी ने उनका नाम बदलकर तेग बहादुर रख दिया। उन्होंने बचपन में ही धार्मिक तथा शस्त्र विद्या सीखी। औरंगजेब के जुल्मों से तंग आकर कुछ कश्मीरी पंडित गुरु तेग बहादुर जी के पास आए और अपनी व्यथा सुनाई। औरंगजेब द्वारा हिंदुओं को इस्लाम धर्म कुबूल करने की दर्द भरी कहानी सुनने के बाद गुरु तेग बहादुर ने कहा कि इसके लिए किसी को बलिदान देना पड़ेगा। सारी बात सुन रहे उनके 9 साल के पुत्र,गोविंद राय ने कहा आप से बढ़कर और कौन हो सकता है जो धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दे। गुरु तेग बहादुर को अपने बेटे,गोविंद राय की बात समझ में आ गई। तब उन्होंने कश्मीरी पंडितों से कहा कि आप औरंगजेब तक यह संदेश पहुंचाओ कि अगर सिखों के गुरु तेग बहादुर को इस्लाम धर्म कबूल करने के लिए मना लो तब हम भी इस्लाम धर्म कबूल कर लेंगे। यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाने के बाद गुरु तेग बहादुर जी अपने बहुत सारे शिष्यों,विशेष तौर पर भाई मती दास,भाई सती दास भाई दयालो के साथ दिल्ली के लिए चल पड़े। 19 दिसंबर 1975 को चांदनी चौक में तेग बहादुर जी पर इस्लाम अपनाने के लिए दबाव डालने के लिए उनके सामने ही भाई मती दास को आरे से चीरा गया, भाई मती दास आखरी सांस तक... वाहेगुरु...वाहेगुरु...कहते रहे। उसके बाद भाई दयाल जी को उबलते हुए पानी की देग में बिठाकर यातनाएं देकर शहीद कर दिया गया। उसके बाद भाई सती दास को रुई में लपेटकर जला दिया गया। यह सब देखकर भी गुरु तेग बहादुर भयभीत नहीं हुए और इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया। उसके बाद दिल्ली के चांदनी चौक में उनका सर कलम कर दिया गया। चांदनी चौक में स्थित गुरुद्वारा...शीशगंज..वही स्थान है जहां पर गुरु तेग बहादुर जी का सर धड़ से अलग कर दिया गया था। गुरु तेग बहादुर जी के शहीद होने के बाद वहां इकट्ठे हुए बहुत सारे लोगों में अफरा तफरी मच गई। इस अफरा तफरी में गुरु तेग बहादुर का एक शिष्य,भाई लखी सिंह गुरु जी के धड को अपने कुछ और सहयोगियों के साथ अपने घर ले आया और वहीं पर उनके संस्कार कर दिया और फिर अपने मकान को आग लगा दी ताकि पता ना चले कि वहां पर गुरु जी का संस्कार किया गया था। उसी जगह पर आजकल दिल्ली में गुरुद्वारा रकाबगंज बना हुआ है। मुगलों को धोखा देकर गुरु तेग बहादुर जी का सर उनके एक वफादार शिष्य,जैता जी ने दिल्ली से आनंदपुर साहब लाकर गुरु गोविंद सिंह जी को दे दिया और गुरु जी ने उसे,,रंगरेटा गुरु का बेटा,की उपाधि से सम्मानित किया! गुरु तेग बहादुर के सुपुत्र,गोविंद राय,बाद में गोविंद सिंह कहां जाने लगा, सिख धर्म के दसवें गुरु बने। उनका भी सारा जीवन हिंदू धर्म की रक्षा,मुगलों के साथ संघर्ष,अपने चारों पुत्रों तथा माता के बलिदान तथा सरहंद के सूबेदार के लोगों द्वारा मात्र 42 साल की उम्र में शहीद कर दिया गया! इसलिए गुरु गोविंद सिंह जी को ...सर्वंश दानी...भी कहा जाता है! सिख धर्म के अनुयाई आजकल गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी दिवस को धूमधाम से मना रहे हैं। सिख धर्म को मानने वाले बहादुर, धर्म की रक्षा करने वाले,धर्म को समर्पित,जरूरतमंदों को लंगर के द्वारा भोजन खिलाने वाले लोग माने जाते हैं। यह सिख गुरुओं तथा सिख योद्धाओं के त्याग का ही परिणाम है जो हिंदू धर्म आज तक सुरक्षित है। गुरु तेग बहादुर जी को तथा गुरु साहिबान को शत शत नमन।

मंगल पांडे : 1857 की क्रांति के जाज्वल्यमान नक्षत्र

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश.

29 मार्च,1857। कलकत्ता से 22 किमी दूर भारत की सबसे बड़ी और प्लासी युद्ध के बाद सन् 1765 में स्थापित पहली सैन्य छावनी बैरकपुर छावनी में ईस्ट इंडिया कम्पनी की बंगाल इंफेंट्री रेजीमेंट की 34वीं वाहिनी के सिपाही सुबह नियमित परेड के लिए मैदान में वर्दी पहने अपनी बंदूकों सहित तैयार खड़े हैं। नायक के आदेश पर परेड आरम्भ हुई। सिपाही कदम से कदम और हाथ से हाथ मिलाते हुए निश्चित सीमा तक परेड करते हुए आ-जा रहे हैं। सिपाहियों की गर्दनें तनी हुई और सिर ऊंचे हैं। पूरी देह में रक्त नसों में दौड़ रहा है। सिपाहियों के मुख मण्डल शौर्य एवं पराक्रम से दीप्तिमान हैं। किंतु आज सैनिकों का भाव और व्यवहार बिलकुल अलग सा है। लग रहा है कि जैसे उनके हृदयों में कुछ उबल रहा है। परेड को विश्राम दिया गया और सभी सिपाहियों को नये कारतूसों का वितरण शुरू हुआ। लेकिन यह क्या, एक सिपाही ने कारतूस लेने से स्पष्ट मना कर दिया। वह बोला,इन कारतूसों में गाय एवं सुअर की चर्बी लगी है। हम इनका प्रयोग नहीं करेंगे, क्योंकि इससे हमारा धर्म भ्रष्ट होगा। अन्य सिपाहियों ने भी साथ दिया। कारतूस वितरण करने वाले ने कड़क आवाज में पूछा, तुम्हारा नाम-परिचय क्या है? वह युवा सिपाही उच्च स्वर में बोला, नाम मंगल पांडे। पिता दिवाकर पांडे,माता अभय रानी। जन्म तिथि 19 जुलाई, 1827 बलिया में। सेना में भर्ती सन् 1849 में। इतना सुनकर कारतूस वितरण करने वाला अधिकारी काम बंद कर लेफ्टिनेंट बॉग के कक्ष की ओर बढ़ गया और सैनिक अपनी बैरकों की ओर।

हुगली नदी के सुरम्य प्राकृतिक तट पर स्थित ईस्ट इंडिया कम्पनी की बैरकपुर छावनी में उस दिन सुबह की इस घटना ने पूरे सैन्य अधिकारियों के कान खड़े कर दिए थे। समाधान हेतु उनमें विचार-विमर्श चल रहा था। इधर, सैनिक भी अपनी बैरकों में बैठे चर्बी वाले कारतूस प्रयोग न करने पर दृढ़ संकल्पित थे क्योंकि बंदूक की नली में कारतूस भरने से पहले उसका अगला सिरा दांत से काट बारूद नली में भरकर फिर कारतूस डालना होता था। गाय हिंदुओं के लिए पूज्या थी तो सुअर की चर्बी से मुस्लिम सैनिकों की भावना आहत थी। सैनिकों ने तय किया कि यदि अधिकारियों ने चर्बी वाले कारतूस प्रयोग करने का दबाव बनाया तो खुला विरोध करेंगे,बगावत होगी। मंगल पांडे के दिल-दिमाग में यह बात कुछ अधिक ही घर कर गई थी। उस शाम जब सूर्यदेव विश्राम हेतु पश्चिम के नील गगन के क्षितिज-पर्यंक पर गमन करने वाले थे,विहंग वृंद अपने नीड़ की ओर उड़ान भर रहा था,गायें रंभाती हुई बछड़ों को दुग्धपान कराने गोशाला की ओर दौड़ रही थीं,तभी उस गोधूलि बेला में मंगल पांडे भरी बंदूक लेकर बैरक से बाहर आया और साथी सिपाहियों को ललकारते हुए चर्बी युक्त कारतूस प्रयोग के विरोध हेतु बाहर निकलने का आह्वान किया। सिपाही बाहर आ गये। घटनाक्रम की खबर अंग्रेजों के वफादार किसी सैनिक द्वारा नमक-मिर्च लगाकर

तुरंत लेफ्टिनेंट बॉग तक पहुंची। नाफरमानी को बगावत समझ लेफ्टिनेंट बॉग झटपट घोड़े पर सवार हो सिपाहियों की ओर बढ़ चला। शीघ्र ही पहुंचकर उसने देखा कि तीस वर्षीय सिपाही मंगल पांडे साथी सिपाहियों को कारतूस नहीं लेने के लिए मना कर रहा है,सिपाहियों में आक्रोश है। रोष से चेहरे तमतमा उठे हैं। लेफ्टिनेंट बॉग समझ गया कि यह तो खुला विद्रोह है,फिर भी अंदर से भयभीत उसने साहस बटोर कर आदेश दिया, सिपाहियो! बैरक में जाओ। पर विरोध में एक साथ कई मुट्ठियां आकाश में तन गईं। बौखलाये बॉग की नजर नेतृत्व कर रहे सैनिक मंगल पांडे पर पड़ी और वह गरज कर बोला,तुम अपनी बंदूक और वर्दी जमा करो। आदेश का कोई असर होता न देख,वह मंगल पांडे को पकड़ने को बढ़ा। किंतु मंगल पांडे ने फायर कर दिया। बॉग बाल-बाल बच गया,किंतु गोली घोड़े के पैर पर लगी और सवार सहित घोड़ा धराशायी हो गया। बॉग खड़ा हुआ और सिपाहियों को मंगल पांडे को पकड़ने का हुक्म दिया पर एक भी सिपाही आगे नहीं बढ़ा। क्रोधित लेफ्टिनेंट बॉग ने तलवार निकाल मंगल पांडे पर प्रहार किया। बचाव में मंगल पांडे ने भी तलवार से जोरदार हमला किया,बॉग के सीने से लहू की धार बह निकली। तब तक मेजर ह्यूसन अंग्रेज सैनिकों के साथ पहुंच गया जिसका स्वागत मंगल पांडे की बंदूक से निकली गोली ने किया। अब मंगल पांडे की तलवार का मुकाबला एक साथ दो तलवारों से हो रहा था। लेफ्टिनेंट बॉग और मेजर ह्यूसन खून से लथपथ थे पर तलवारें भांज रहे थे, कि तभी मंगल पांडे ने उछलकर तलवार का जोरदार प्रहार किया किंतु अंग्रेजों के वफादार सैनिक शेख पलटू ने मंगल पांडे की कमर पकड़ ली। तब तक अन्य अंग्रेज सैनिकों का जत्था निकट आ पहुंचा। अपने को घिरा देख मंगल पांडे ने आत्म बलिदान हेतु स्वयं पर गोली मार ली वह घायल होकर मां भारती की गोद में गिर पड़े। अंग्रेज सैनिकों ने मंगल पांडे को बंदी बना लिया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। 6 अप्रैल, 1857 को कोर्टमार्शल हुआ और मंगल पांडे को मृत्युदंड दिया गया। फांसी की तारीख निश्चित की गई 18 अप्रैल। किंतु मेरठ, कानपुर,दिल्ली से आ रही बगावत की खबरों से परेशान अंग्रेजों ने तय तारीख से दस दिन पहले 8 अप्रैल, 1857 की प्रातः 5.30 बजे बैरकपुर छावनी में सिपाहियों के सामने घायल मंगल पांडे को फांसी पर चढ़ा दिया गया। उस दिन जब सूरज उगा तो अपनी किरणों का स्वर्णिम गुच्छ बलिदानी मंगल पांडे के चरणों में समर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी,जिसने भारत की स्वतंत्रता के लिए पहली गोली चलाई थी। मंगल पांडे को फांसी के बाद सामूहिक सजा के तौर पर पूरी 34 वीं रेजीमेंट को भंग कर दिया गया

मंगल पांडे की स्मृति में भारत सरकार ने 5 अक्टूबर, 1984 को 50 पैसे का एक डाक टिकट जारी किया, जिसे कलाकार सी.आर.पाकरसी ने डिजाइन किया था। बैरकपुर में बना मंगल पांडे का ओजमय समाधि स्थल दर्शनार्थियों में देशभक्ति, त्याग एवं बलिदान का भाव भरते हुए देश के सर्वांगीण विकास का आह्वान कर रहा है।

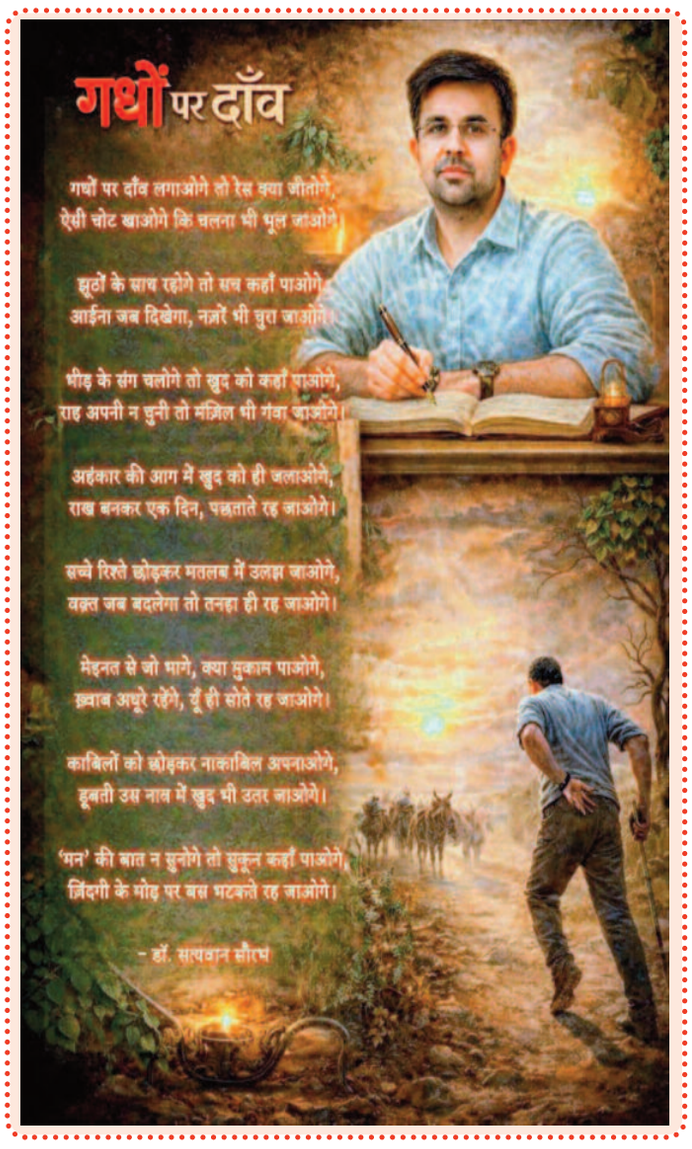

पुनर्जन्म का आधार कार्ड

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

बेलतारा गांव के राजनीति विशारद लल्लन बाबू ने जब इस बार प्रधानी का बिगुल फूँका, तो उन्होंने स्मार्ट सिटी और मुफ्त बिजली के घिसे-पिटे वादों को ठेंगा दिखा दिया। उनका नया चुनावी शगूफा था–पितृ-पेंशन और पुरखा-कनेक्ट योजना। लल्लन बाबू का तर्क था कि नेता जीवितों की सेवा तो सब करते हैं,लेकिन जो पूर्वज स्वर्ग में बैठकर अपनी संतानों की दुर्दशा देख रहे हैं,उनके लिए कोई कुछ नहीं करता। उन्होंने घोषणा की कि यदि वे चुनाव जीते,तो गांव के श्मशान में वाई-फाई युक्त प्रेत-कॉलिंग सेंटर बनवाएंगे, जहाँ से ग्रामीण सीधे अपने परलोकवासी दादा-परदादाओं से सलाह ले सकेंगे कि इस बार कौन सी भैंस खरीदनी है या किस लड़के की शादी कहाँ करनी है। गांव के भोले-भाले लोग,जो पितृ पक्ष में कौवों को रोटी खिलाकर थक चुके थे,अचानक टेक्नो-अध्यात्म के इस जादुई जाल में ऐसे फंसे कि उन्हें अपनी वर्तमान गरीबी से ज्यादा पूर्वजों की नेटवर्क कनेक्टिविटी की चिंता होने लगी।

प्रचार के अंतिम पड़ाव पर लल्लन बाबू ने गांव के पुराने कुएं के पास एक आत्मा-स्कैनर मशीन स्थापित की,जो असल में एक कबाड़ हो चुका एक्सरे मशीन का ढांचा था जिस पर ढेर सारी चमकीली झिलमिलियां

चिपकी थीं। उन्होंने दावा किया कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की कसम खाकर इस मशीन के नीचे खड़ा होगा,उसे अपने अगले सात जन्मों का आधार कार्ड और प्रोफेशनल बायोडाटा तुरंत मिल जाएगा। विपक्षी उम्मीदवार घसीटा राम बदहवास थे;वे स्कूल की मरम्मत और खाद की बात कर रहे थे,जबकि जनता को यह जानने की उत्सुकता थी कि अगले जन्म में वे राजा बनेंगे या पड़ोसी के घर के पालतू कुत्ते। लल्लन बाबू ने एक लाउडस्पीकर पर डरावनी और रहस्यमयी आवाज़ें रिकॉर्ड करके चला दीं, जिसे सुनकर ग्रामीणों को साक्षात गरुड़ पुराण का लाइव टेलीकास्ट महसूस होने लगा। लोग अपनी मेहनत की कमाई चंदे के रूप में लल्लन बाबू के चरणों में अर्पित करने लगे ताकि उनका अगला जन्म कम से कम सुरक्षित हो सके।

मतदान के अगले दिन जब लल्लन बाबू की प्रचंड जीत हुई, तो पूरा गांव अपना पुनर्जन्म का आधार कार्ड लेने उनके दरवाजे पर कतारबद्ध हो गया। लल्लन बाबू ने एक बड़ा सा बक्सा खोला और उसमें से छोटे-छोटे खाली शीशे के टुकड़े (आईने) सबको बांटना शुरू कर दिया। जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर,इसमें तो कुछ लिखा ही नहीं है, बस हमारा अपना चेहरा दिख रहा है! लल्लन बाबू ने एक लंबी डकार ली और गंभीर स्वर में बोले–मूर्खों! पुनर्जन्म का आधार कार्ड यही आईना है। इसमें गौर से अपना चेहरा देखो; जिस इंसान ने एक कोरे वादे और कबाड़ की मशीन के चक्कर में अपना भविष्य और वर्तमान मुझे बेच दिया,वह अगले जन्म में गदहा बनने की पूरी योग्यता अभी से हासिल कर चुका है! पूर्वज तो स्वर्ग में आराम कर रहे हैं, पर तुम लोगों ने मेरा अगला जन्म जरूर सुधार दिया। जनता स्तब्ध खड़ी अपनी ही परछाईं को देख रही थी और लल्लन बाबू अपनी नई पजेरो में बैठकर परलोक कल्याण विभाग का बजट डकारने शहर की ओर कूच कर गए।

अफसाना

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

जब उसे हक़ीक़त पता चली,तो उसने भी सोनिया से दूरी बना ली...

कॉलेज के वो दिन भी क्या खूबसूरत होते हैं,जहाँ किताबों के पन्नों से ज़्यादा नज़रें हसीन चेहरों के मुताले (अध्ययन) में मसरूफ़ रहती हैं। फिज़ाओं में एक अजीब सी खनक होती है, हर तरफ़ नई उम्र की रंगीनियां,कहकहे और बेफ़िक्री मुस्कुराहटें बिखरी होती हैं। इन्हीं हसीन चेहरों के दरमियान डूब जाना और उन लम्हों को जिंदगी समझ लेना ही उस उम्र का सबसे हसीन धोखा होता है। शाहिद की जिंदगी का कुल सरमाया भी यही था।

शाहिद को सोनिया से इश्क़ हो गया था। ऐसा इश्क़ जिसमें दीवानगी भी थी और एक अजीब सा सुकून भी। सोनिया की बड़ी-बड़ी आंखों और उसकी मख़मली बातों के जादू में शाहिद खुद को पूरी तरह भुला चुका था। वे अक्सर साथ वक्त गुज़ारते। खंडवा की तंग गलियों से निकलकर असीरगढ़ के प्राचीन और ऊंचे किले की फ़सीलों (दीवारों) तक उनकी यादें किसी खुशबू की तरह बिखरी हुई थीं। वहां की ख़ामोश फिज़ाओं में,इतिहास के साए में,वे एक-दूसरे की तस्वीरें खींचते,घंटों बैठकर मुस्तक़बिल (भविष्य) के हसीन सपने बुनते। शाहिद को लगता था कि सोनिया सिर्फ़ उसके लिए बनी है। लेकिन शाहिद ने इस बात का जिक्र कभी अपने दोस्तों से भी नहीं किया। उसके नज़दीक यह पाकीज़ा एहसास किसी महफिल में बयान करने के लिए नहीं, बल्कि रूह में महसूस करने के लिए था।

इश्क़ हर गुज़रते दिन के साथ परवान चढ़ रहा था। शाहिद सोनिया के प्यार में पागल था दीवाना था,मगर उसे क्या मालूम था कि हक़ीक़त के पर्दे के पीछे कोई और ही कहानी चल रही है।

एक रोज़ शाहिद अपने सबसे करीबी दोस्त के कमरे पर अचानक जा पहुंचा। वहां उसका दोस्त बहुत खुश था। बातों-बातों में उसने शाहिद को बताया,यार! मैं आज बहुत खुश हूं, मैं एक लड़की के प्यार में गिरफ़्तार हो चुका हूं। ताज्जुब की बात यह है कि वह भी मुझसे उतनी ही मोहब्बत करती है,उसने खुद मुझे प्रपोज किया है। शाहिद ने मुस्कुराहट के साथ मुबारकबाद देते हुए पूछा, आखिर वह खुशनसीब लड़की है कौन?

दोस्त ने मेज की दराज़ से कुछ ख़त और तस्वीरें निकालीं और शाहिद के सामने फैला दीं। उन तस्वीरों को देखते ही शाहिद के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई,उसके दिल की धड़कन जैसे थम सी गई। वह सोनिया थी! वही सोनिया जिसके साथ उसने असीरगढ़ की सीढ़ियों पर वफ़ा की क़समें खाई थीं। उन ख़तों में वही अल्फ़ाज़ थे,वही वादे थे जो सोनिया ने शाहिद से किए थे। शाहिद को समझ नहीं आ रहा था कि सच क्या है और झूठ क्या। क्या वह तमाम लम्हे जो उसने सोनिया के साथ बिताए,महज़ एक फ्लर्ट थे? धोखा थे,मज़ाक थे,शाहिद अंदर से टूट गया,मगर वह ख़ामोश रहा। उसे लगा कि वो अब दो कदम भी नहीं चल पाएगा,उसे लगा कि वो बीमार हो गया है,उसने न अपने दोस्त से कुछ कहा,न ही सोनिया से कोई सवाल किया।

वक्त गुज़रता गया और धीरे-धीरे शाहिद के दोस्त को भी शाहिद और सोनिया के पुराने रिश्ते का इल्म (ज्ञान) हो गया। जब उसे हक़ीक़त पता चली,तो उसने भी सोनिया से दूरी बना ली। उसे समझ आ गया कि सोनिया की फ़ितरत में वफ़ा नहीं,बल्कि जज़्बातों से खेलना है। जल्द ही यह खबर पूरे कॉलेज में आग की तरह फैल गई कि सोनिया एक फ्रॉड लड़की है जो एक साथ कई लोगों को अपने हुस्न के जाल में फंसाती है। सोनिया,जो कभी कॉलेज की जान थी,अब तन्हा रह गई थी। मोहब्बत के तमाम रास्ते अब उसके लिए बंद हो चुके थे और वह अपने किए पर बुरी तरह पछता रही थी।

शाहिद ने खुद को संभाला और जिंदगी में आगे बढ़ने का फ़ैसला किया। कुछ समय बाद शाहिद ने नीला नाम की लड़की से शादी का ऐलान कर दिया। शादी का दिन आया,महफ़िल सजी हुई थी,रोशनी और संगीत का शोर था। सोनिया भी उस शादी में पहुंची। वह एक कोने में खड़ी देख रही थी कि जिसे उसने ठुकराया और जिसके जज़्बातों से खेला,वह आज अपनी नई जिंदगी में कितना मुतमइन (संतुष्ट) और खुश है। सोनिया की आंखें अपने किए पर शर्मिंदा थीं,वह नजरें मिलाने के काबिल नहीं रही थी। वो वो बहुत कमज़ोर सी नज़र आ रही थी,सबसे बड़ी बात उसके इर्द गिर्द रहने वालों में से कोई भी उसके पास नहीं था।

वही पास में शाहिद का वह पुराना दोस्त भी मौजूद था। वह भी अब सोनिया से पूरी तरह बेगाना हो चुका था। उसने भी तर्क ताल्लुक़ कर लिया था,वह अपनी किसी और दोस्त लड़की के साथ खिलखिलाकर बातें कर रहा था, मुस्कुरा रहा था,जैसे सोनिया का उसकी जिंदगी में कभी कोई वजूद ही न रहा हो। सोनिया को अहसास हुआ कि उसने सिर्फ दो लड़कों को नहीं खोया,बल्कि अपनी इज़्ज़त और अपना वक़ार (सम्मान) भी गंवा दिया है। वह अपनी ही नज़रों में गिर गई थी,जबकि शाहिद और उसका दोस्त अपनी-अपनी खुशियों में मगन थे। सोनिया वहीं खड़ी अपनी बर्बादी का मंज़र देखती रही,और उसकी आंखों से बहते आंसू उसके पछतावे की गवाही दे रहे थे। वो बहकते हुए कदमों से शादी के फंक्शन से बाहर निकल रही थी उस कुछ समझ नहीं आ रहा था कि उसका अगला कदम उसे कहां ले जाएगा,वो सोच रही थी मुझे तो पश्चाताप का मौक़ा भी नहीं मिला।

माता-पिता वो हस्ती हैं जिसके पसीने की एक बूंद का कर्ज भी औलाद नहीं चुका सकती।।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

महिला हत्याकांड

आरोपी पर 35 हजार का इनाम घोषित

महिला हत्या के विरोध में कांग्रेस का कैंडल मार्च

ढाई वर्षों में महिला अपराध और नशे का कारोबार में तेजी से बढ़ोतरी : आदित्येश्वर

हाल ही में हुई महिला की जघन्य हत्या के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को मौन कैंडल मार्च निकाला। राजीव भवन से सद्भावना चौक तक निकाली गई इस रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कैंडल मार्च के बाद सद्भावना चौक पर मृत महिला को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और सेवादल के कार्यकर्ता शामिल रहे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में महिला अपराध और नशे का कारोबार तेजी से बढ़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन पर नियंत्रण करने में विफल रही है। युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव लिली श्रीवास ने कहा कि घटना बेहद दर्दनाक है और इसकी तुलना निर्भया कांड जैसी घटनाओं से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होना कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि पुलिस आरोपी को साइको बताकर अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब तक आरोपी खुलेआम घूम रहा है,तब तक और घटनाओं की आशंका बनी रहेगी। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रदेश में बढ़ते महिला अपराधों और नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण की जरूरत बताई। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जब तक पीड़िता को न्याय नहीं मिलता और कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

आईजी ने 30 हजार,डीआईजी ने 5 हजार इनाम रखा,गिरफ्तारी नहीं होने से बढ़ा आक्रोश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर में महिला के साथ दरिंदगी के बाद हुई निर्मम हत्या के मामले में आरोपी अब तक फरार है। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में भारी आक्रोश है। लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच पुलिस ने आरोपी पर कुल 35 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। जिला कांग्रेस कमेटी पिछले कई दिनों से मामले को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। मंगलवार को कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकालकर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा ने आरोपी पर 30 हजार रुपए तथा डीआईजी राजेश अग्रवाल ने 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने कहा है कि जो भी व्यक्ति आरोपी के बारे में सटीक जानकारी देगा या उसकी गिरफ्तारी में मदद करेगा, उसे यह इनाम दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल को सद्भावना चौक के पास 42 वर्षीय महिला का शव मिला था। महिला का चेहरा पत्थर से कुचल दिया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने पहले दुष्कर्म किया और फिर हत्या कर दी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान पांडा उर्फ मिथुन के रूप में की है, जो घटना के बाद से फरार है। पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है। पुलिस का कहना है कि विभिन्न टीमों द्वारा दबिश दी जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सरगुजा में अवैध महुआ शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 10 लीटर शराब जब्त,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. संगीता एवं कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश पर जिला आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी एल. के. गायकवाड के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी शीला बड़ा एवं आबकारी उप निरीक्षक सौरभ साहू के नेतृत्व में 07 अप्रैल 2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। आबकारी वृत्त सीतापुर अंतर्गत ग्राम एरण, जिला सरगुजा निवासी रंजीत राम (उम्र 34 वर्ष) के कब्जे से कुल 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। उक्त प्रकरण में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में आबकारी मुख्य आरक्षक पुन्ना लाल जायसवाल, लालसाय लकड़ा एवं महिला नगर सैनिक संगीता पाठक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला आबकारी विभाग ने बताया कि अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों की मनमानी पर फूटा गुस्सा

अभाविप ने डीईओ कार्यालय का घेराव,महंगी किताबों के ठोस प्रमाण सौंपे

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर के निजी विद्यालयों द्वारा मनमाने तरीके से महंगी किताबें और कॉपियां थोपे जाने के विरोध में मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और अभिभावकों को राहत देने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अभाविप ने कई निजी स्कूलों की किताब-कॉपी शुल्क सूची प्रस्तुत की। इनमें होली क्रॉस,कॉर्मेल, ब्रिलियंट पब्लिक,उर्सुलाइन,डैशमेश,ओरिएंटल,दिल्ली पब्लिक स्कूल और मॉडर्न कॉन्वेंट जैसे स्कूल शामिल हैं। अभाविप का कहना है कि इन स्कूलों में कक्षा अनुसार किताब और कॉपी के नाम पर हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं,जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

हजारों रुपए की वसूली,अभिभावक परेशान

होली क्रॉस स्कूल कक्षा 1 के लिए करीब 4050 रुपए,कक्षा 5 के लिए 5000 रुपए से अधिक, कारमेल स्कूल-कक्षा 1 में लगभग 3700,कक्षा 8 में 6000 से ज्यादा,ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल-कक्षा 3 में 4000 रुपए से अधिक,कक्षा 7 में 5000 रुपए तक है। इन आंकड़ों से साफ है कि अभिभावकों पर भारी आर्थिक दबाव डाला जा रहा है।

भारी बैग से बच्चों के स्वास्थ्य पर असर

अभाविप के प्रदेश मंत्री अनंत सोनी ने कहा कि जहां शिक्षा को सरल बनाने की बात हो रही है,वहीं छोटे बच्चों के बैग का वजन 5 किलो से ज्यादा होना चिंताजनक है।

मान्यता रद्द करने की मांग,आंदोलन की चेतावनी

जिला संयोजक पलाश पांडे ने नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द करने की मांग की। नगर मंत्री रॉनी मिश्रा ने कहा कि पांचवीं कक्षा के छात्रों से सिर्फ कॉपियों के लिए ही करीब 1700 रुपए वसूले जा रहे हैं। छात्रा प्रमुख सृष्टि सिंह ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो अभाविप बड़ा आंदोलन करेगी।

डीईओ को ज्ञापन,जांच का आश्वासन

प्रदर्शन के बाद अभाविप ने DEO को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की। इस पर DEO ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। अभाविप ने साफ किया कि यह आंदोलन छात्रों और अभिभावकों के हित में है और जब तक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता नहीं आती,तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

सूरजपुर स्वास्थ्य विभाग पर सख्ती

योजनाओं की धीमी प्रगति पर सीएमएचओ को नोटिस

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार सामने आ रही शिकायतों पर अब प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने सूरजपुर जिले से संबंधित दो प्रमुख मामलों में जांच के निर्देश जारी किए हैं, वहीं योजनाओं की धीमी प्रगति पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। महुली उप स्वास्थ्य केंद्र बंद रहने के कारण इलाज के लिए मासूम को लेकर परिजन भटकते रहे, इलाज न मिलने के कारण उसकी मौत हो गई थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संभागीय स्वास्थ्य संचालक ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,सूरजपुर को निर्देशित किया है कि दोनों मामलों में जांच समिति गठित कर 3 दिनों के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को शासकीय अस्पतालों में समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है और उन्हें निजी अस्पतालों की ओर भेजा जा रहा है। वहीं ग्राम पंचायत महुली का उप स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से बंद होने के कारण लगभग 15 से 20 हजार ग्रामीण बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हैं। जिला स्तर पर स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और इंडिकेटर्स में लगातार कमजोर प्रगति पाए जाने पर सीएमएचओ डॉ. कपिलदेव पैकरा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर कार्यालय के संदर्भ पत्र के आधार पर जारी नोटिस में कहा गया है कि समीक्षा बैठकों में बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद योजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं है, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्यों की सतत समीक्षा करनी होगी। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, तो उच्च स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

रात में दंपती पर हमला,पत्नी की मौत,पति गंभीर

घर लौटते समय अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से किया वार,पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दंपती पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल है और निजी अस्पताल में उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम अंधला माजापारा निवासी निर्मला दास (40) अपने पति कपिल दास (45) के साथ ग्राम बगदरी में रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे जैसे ही दोनों अपने गांव के पास पहुंचे, अज्ञात लोगों ने उन्हें रोक लिया। इसके

बाद हमलावरों ने धारदार हथियार से दोनों पर हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पहले लखनपुर अस्पताल, फिर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

पति का निजी अस्पताल में इलाज जारी

हमले में गंभीर रूप से घायल कपिल दास का अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हमले के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि आसपास के लोगों से पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सीएम साय कल लुण्ड्रा में आयोजित किसान सम्मेलन में होंगे शामिल

जिले के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में किसान सम्मेलन का आयोजन 9 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:00 बजे लुण्ड्रा विकासखण्ड में ग्राम पंचायत लुण्ड्रा के छत्रपति शिवाजी मिनी स्टेडियम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय किसान सम्मेलन तथा जिले के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदिम जाति विकास कृषि विकास कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मछलीपालन पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त वाणिज्यिक कर आवास एवं पर्यावरण योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री सरगुजा श्री ओपी चौधरी,पर्यटन संस्कृति धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल,लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण चिकित्सा शिक्षा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास 20 सूत्रीय कार्यान्वयन मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल,महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज,सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो,गृह निर्माण मण्डल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव,राज्य युवा आयोग अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष लुण्ड्रा श्रीमती कृष्णा पावले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लुण्ड्रा श्रीमती कंचन जायसवाल एवं लुण्ड्रा के सरपंच श्री सोमार साय होंगे।

लखनपुर में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य शिविरों का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

अम्बिकापुर 07 अप्रैल 2026/ आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत 07 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विकासखंड स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीडीएस विभाग के अभिसरण से कुटुंब अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य शिविर एवं सास-बहू सम्मेलन आयोजित किए गए।कार्यक्रम के दौरान जागरूकता अभियान चलाते हुए टीकाकरण को बढ़ावा देने तथा महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, एबीपी फेलो एवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की सहभागिता रही।

CMYK

सूरजपुर में एसईसीएल अधिकारी पर हमला: सड़क निर्माण विवाद में ग्रामीणों का उग्र प्रदर्शन,सब एरिया मैनेजर घायल

रोजगार की मांग को लेकर भड़का विरोध,पत्थरबाजी और मारपीट में अधिकारी घायल; विश्रामपुर अस्पताल में चल रहा उपचार

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले के अमगांव एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटना में सड़क निर्माण कार्य को लेकर उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई,जब स्थानीय ग्रामीणों का विरोध अचानक उग्र हो गया, रोजगार की मांग को लेकर एकत्रित ग्रामीणों ने देखते ही देखते आक्रोशित रूप ले लिया और पत्थरबाजी शुरू कर दी, इस दौरान मौके पर मौजूद एसईसीएल के सब एरिया मैनेजर विजय कुमार भीड़ के निशाने पर आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए,घटना के बाद उन्हें तत्काल विश्रामपुर स्थित एसईसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पटना में एसईसीएल द्वारा सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा था, जैसे ही ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली,बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और कार्य का विरोध शुरू कर दिया, ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी कार्य की शुरुआत से पहले स्थानीय लोगों को रोजगार देने की मांग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी,लेकिन ऐसा नहीं किया गया,जिससे असंतोष बढ़ गया।

विरोध हुआ उग्र,शुरू हुई पत्थरबाजी

शुरुआती विरोध कुछ ही समय में उग्र रूप ले बैठा, मौके पर मौजूद भीड़ ने अचानक पत्थरबाजी शुरू कर दी,जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, इसी दौरान एसईसीएल के सब एरिया मैनेजर विजय कुमार भी वहां मौजूद थे, जो इस हिंसक घटना की चपेट में आ गए, बताया जा रहा है कि पत्थर लगने और मारपीट के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं।

अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच बनी टकराव की स्थिति

सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया और बताया कि निर्माण कार्य के लिए प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है,इसके बावजूद ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे और कार्य रोकने की बात करते रहे। बातचीत के दौरान ही माहौल बिगड़ गया और टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

घायल अधिकारी अस्पताल में भर्ती

घटना के बाद घायल सब एरिया मैनेजर विजय कुमार को तत्काल विश्रामपुर स्थित एसईसीएल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है, डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है और फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

रोजगार की मांग बना मुख्य मुद्दा

ग्रामीणों का मुख्य आरोप है कि क्षेत्र में चल रहे कार्यों में स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है, उनका कहना है कि जब तक रोजगार से जुड़ी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक इस तरह का विरोध जारी रहेगा।

क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल

घटना के बाद से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है, प्रशासन द्वारा हालात पर नजर रखी जा रही है और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

लाइफ साइंस के विविध आयामों पर देश-विदेश के विशेषज्ञ कर रहे मंथन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में मंगलवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ। इंटरडिसिप्लिनरी फ्रंटियर्स इन लाइफ साइंस-2026÷ विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं की-नोट स्पीकर प्रो. प्रेम प्रकाश सिंह (पूर्व कुलपति,संत गहिरागुरु विश्वविद्यालय) ने प्लेनरी लेक्चर दिया। उन्होंने लाइफ साइंस के बदलते आयामों और शोध की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रो. एमएल नायक (पूर्व निदेशक, छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. रिजवान उल्लाह और प्रो. राकेश कुमार सिंह (बीएचयू) उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा कॉलेज से प्रकाशित संगोष्ठी की संक्षेपिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा आयुषी खाखा एवं समूह के स्वागत गीत से हुई। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सि. शाता जोसफ ने अध्यक्षीय उद्बोधन में संगोष्ठी के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं सह-संयोजक डॉ. अशोक कुमार शुक्ला ने ओपनिंग रिमार्क प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में राज्य के विभिन्न जिलों सहित देश-विदेश के विद्वान ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े। शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर वैज्ञानिक चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वामी प्रकाश एवं डॉ. अनुश्री केशरी का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन आलोक चक्रवर्ती, जग नारायण सिरदार एवं मयंक सिंह चौहान ने किया। उद्घाटन सत्र में कॉलेज के समस्त शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही। दो दिवसीय इस संगोष्ठी में लाइफ साइंस के विभिन्न विषयों पर चर्चा जारी रहेगी।

सूरजपुर में भाजपा स्थापना दिवस से सेवा सप्ताह तक सक्रियता

देव गुप्ता के नेतृत्व में संगठनात्मक अभियान तेज

भाजयुमो के नेतृत्व में ध्वजारोहण से लेकर संपर्क अभियान और समरसता भोज तक कार्यक्रमों की श्रृंखला,युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने की तैयारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले में संगठनात्मक सक्रियता चरम पर नजर आ रही है, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा जिलाध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में स्थापना दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे सेवा सप्ताह के रूप में विस्तारित किया गया है, 6 अप्रैल से शुरू हुए इस अभियान में जहां एक ओर पार्टी के प्रति समर्पण और उत्साह का प्रदर्शन किया गया, वहीं दूसरी ओर समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने और संवाद स्थापित करने की ठोस रणनीति भी दिखाई दे रही है, प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन और जिला संगठन की निगरानी में चल रहे इन कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को जोड़ने पर विशेष ध्यान दे रहा है, आने वाले दिनों में संपर्क, संवाद और सामाजिक समरसता के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए पार्टी अपने संगठनात्मक विस्तार को और गति देने की तैयारी में है।

अंबेडकर जयंती पर समरसता भोज और श्रद्धांजलि कार्यक्रम

14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर जिलेभर में समरसता भोज का आयोजन किया जाएगा, इसके साथ ही बाबा साहेब की प्रतिमाओं की साफ-सफाई और माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी, यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और समानता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

नेतृत्व का आह्वान और संगठनात्मक मजबूती पर जोर

जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों को अनुशासन और उत्साह के साथ सफल बनाने का आह्वान किया है, उन्होंने कहा कि सेवा सप्ताह के माध्यम से संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाएगा।

स्थापना दिवस पर भव्य ध्वजारोहण और उत्साह का प्रदर्शन

6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के 48वें स्थापना दिवस के अवसर पर सूरजपुर जिले में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए,भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों पर पार्टी का ध्वज फहराकर स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनाया, इस दौरान डिजिटल माध्यमों का भी उपयोग किया गया,जहां कार्यकर्ताओं ने सरल ऐप के जरिए अपनी सहभागिता दर्ज कराई और फोटो अपलोड कर संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शन किया। मिठाई बांटकर एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला पूरे जिले में देखने को मिला।

सेवा सप्ताह की शुरुआत,कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार

स्थापना दिवस के साथ ही सेवा सप्ताह की शुरुआत हो गई है, जो 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक विभिन्न गतिविधियों के साथ जारी रहेगा,इस अवधि में भाजयुमो द्वारा कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनका उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना है।

हॉस्टल संपर्क अभियान : युवाओं से सीधा संवाद

सेवा सप्ताह के तहत हॉस्टल संपर्क अभियान के माध्यम से छात्रों और युवाओं तक पहुंच बनाई जाएगी,इस अभियान का उद्देश्य युवाओं के बीच संगठन की विचारधारा को पहुंचाना और उनके मुद्दों को समझते हुए संवाद स्थापित करना है,इसके जरिए छात्र समुदाय के साथ सीधा संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जाएगी।

बूथ चलो अभियान : जमीनी स्तर पर संगठन विस्तार

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बूथ चलो अभियान के तहत कार्यकर्ता घर-घर पहुंचेंगे, इस अभियान के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और लाभान्वित हितग्राहियों को अभिनंदन पत्र प्रदान किए जाएंगे,यह कार्यक्रम संगठन की जमीनी पकड़ को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वीडियो संदेश अभियान : जनभागीदारी पर जोर

नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे प्रयासों के प्रति समर्थन जताने के लिए वीडियो संदेश अभियान भी चलाया जाएगा,इसमें आम नागरिकों के विचार और संदेश रिकॉर्ड कर उन्हें डिजिटल माध्यमों पर साझा किया जाएगा, जिससे जनभागीदारी को बढ़ावा मिल सके।

पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मिली नई 108 एंबुलेंस,अध्यक्ष गायत्री सिंह ने दिखाई हरी झंडी

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की स्वीकृति के बाद चार दिनों में मिली सुविधा, राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र के मरीजों को मिलेगा त्वरित इलाज

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से चली आ रही एंबुलेंस की कमी अब दूर हो गई है,7 अप्रैल 2026 से यहां नवीन 108 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस सेवा की शुरुआत हो गई,नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह ने एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, इस सुविधा के शुरू होने से अब क्षेत्र के मरीजों को आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकेगी, जिससे खासतौर पर सड़क दुर्घटना और गंभीर बीमारियों के मामलों में राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री की स्वीकृति से मिली सुविधा

हाल ही में प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 375 नई 108 एंबुलेंस सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों में भेजा गया था, हालांकि प्रारंभिक वितरण में पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एंबुलेंस नहीं मिल पाई थी,इस स्थिति को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह ने जिला प्रवास के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को इसकी जानकारी दी,उन्होंने तत्काल इस मांग पर सहमति जताते हुए एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस की स्वीकृति प्रदान की।

चार दिनों में मिली बड़ी राहत

स्वीकृति मिलने के बाद मात्र चार दिनों के भीतर ही एंबुलेंस पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपलब्ध करा दी गई,7 अप्रैल को औपचारिक रूप से इसे हरी झंडी दिखाकर सेवा में शामिल किया गया, यह त्वरित कार्रवाई प्रशासनिक तत्परता का उदाहरण मानी जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण सुविधा

पटना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बड़े क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। साथ ही यह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के कारण यहां सड़क दुर्घटनाओं के मामले भी अक्सर सामने आते रहते हैं,ऐसे में एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस की उपलब्धता से गंभीर मरीजों को तुरंत उपचार मिल सकेगा और समय पर अस्पताल पहुंचाना आसान होगा।

अध्यक्ष ने जताया आभार

नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह ने इस सुविधा के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार व्यक्त किया,उन्होंने कहा कि एंबुलेंस की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी और इसके अभाव में मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब इस नई सेवा से जरूरतमंदों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी, उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर और एंबुलेंस की मांग भी की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति

एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाने के दौरान उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, भाजपा जिला महामंत्री कपील जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े सहित कई जनप्रतिनिधि,पार्षद,जनपद सदस्य,भाजपा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और अस्पताल कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे मे पत्नी की मौत पति हुआ घायल

-संवाददाता-
लखनपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सड़क हादसा में पत्नी की मौत पति हुआ घायल लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंधला मांझा पारा निवासी कपिल दास अपनी पत्नी निर्मला दास के साथ पारिवारिक कार्यक्रम में ग्राम बगदरी गए थे जहां वापसी के दौरान 10-00 बजे के लगभग अंधला राइस मिल के पास अज्ञात मोटरसाइकिल से भिड़ंत हो गई जहां पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गये वहीं सूचना उपरांत परिजन घायल पति पत्नी को अंबिकापुर अस्पताल लेकर गए जहां निर्मला दास की गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया गया जहां रास्ते में निर्मला दास की 36 वर्ष की मृत्यु हो गई वहीं मृतक के पति का इलाज अस्पताल में चल रहा है परिजनों के बयान अनुसार लखनपुर पुलिस वर्ग कम कर जांच में जुटी है

CMYK

52 गड्ढे,एक दिन और जेसीबी,

क्या यही है 'जनभागीदारी' का मॉडल?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर स्थित कोरिया जिले में भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'आवा पानी झोंकी' अभियान इन दिनों चर्चा के केंद्र में है, यह अभियान,जो किसानों की पांच प्रतिशत कृषि भूमि में सोखता गड्ढों के निर्माण के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने की अवधारणा पर आधारित बताया जा रहा है, हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर तब सुर्खियों में आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में इसका उल्लेख किया,प्रधानमंत्री ने इसे जनभागीदारी से संचालित एक सफल पहल बताया और कहा कि इससे जिले में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री के इस उल्लेख के बाद यह अभियान न केवल राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया,बल्कि जिले का प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हो गया,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,सरकारी प्रचार माध्यमों और स्थानीय स्तर पर इसे एक मॉडल अभियान के रूप में प्रस्तुत किया जाने लगा,अधिकारियों ने इसे जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए इसकी सफलता की कहानी को व्यापक रूप से साझा करना शुरू कर दिया।

- 'आवा पानी झोंकी' पर उठे सवाल,मन की बात में सराहना, जमीनी हकीकत पर विवाद
- प्रधानमंत्री की सराहना के बाद घिरा 'आवा पानी झोंकी' अभियान,डुमरिया की तस्वीर ने खोली पोल
- जनभागीदारी या मशीनों का खेल? 'आवा पानी झोंकी' अभियान पर गंभीर सवाल
- मन की बात से राष्ट्रीय मंच तक, अब विवादों में 'आवा पानी झोंकी' अभियान
- सराहना के बीच सच्चाई पर सवाल, कोरिया का 'आवा पानी झोंकी' अभियान चर्चा में
- क्या प्रधानमंत्री तक पहुंची अधूरी जानकारी? 'आवा पानी झोंकी' पर उठे बड़े सवाल
- श्रेय की दौड़ या जनहित का अभियान? 'आवा पानी झोंकी' पर मचा बवाल

सराहना के बीच सच्चाई की पड़ताल जरूरी

एक ओर जहां 'आवा पानी झोंकी' अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर से उठ रहे सवाल इसकी वास्तविकता की जांच की मांग कर रहे हैं, यह मामला अब केवल एक अभियान तक सीमित नहीं रह गया है,बल्कि यह प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी की वास्तविकता से जुड़ा मुद्दा बन चुका है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले पर क्या रुख अपनाता है,क्या जांच होती है और क्या सच सामने आता है,फिलहाल,कोरिया जिले का यह अभियान प्रशंसा और विवाद दोनों के बीच खड़ा नजर आ रहा है।

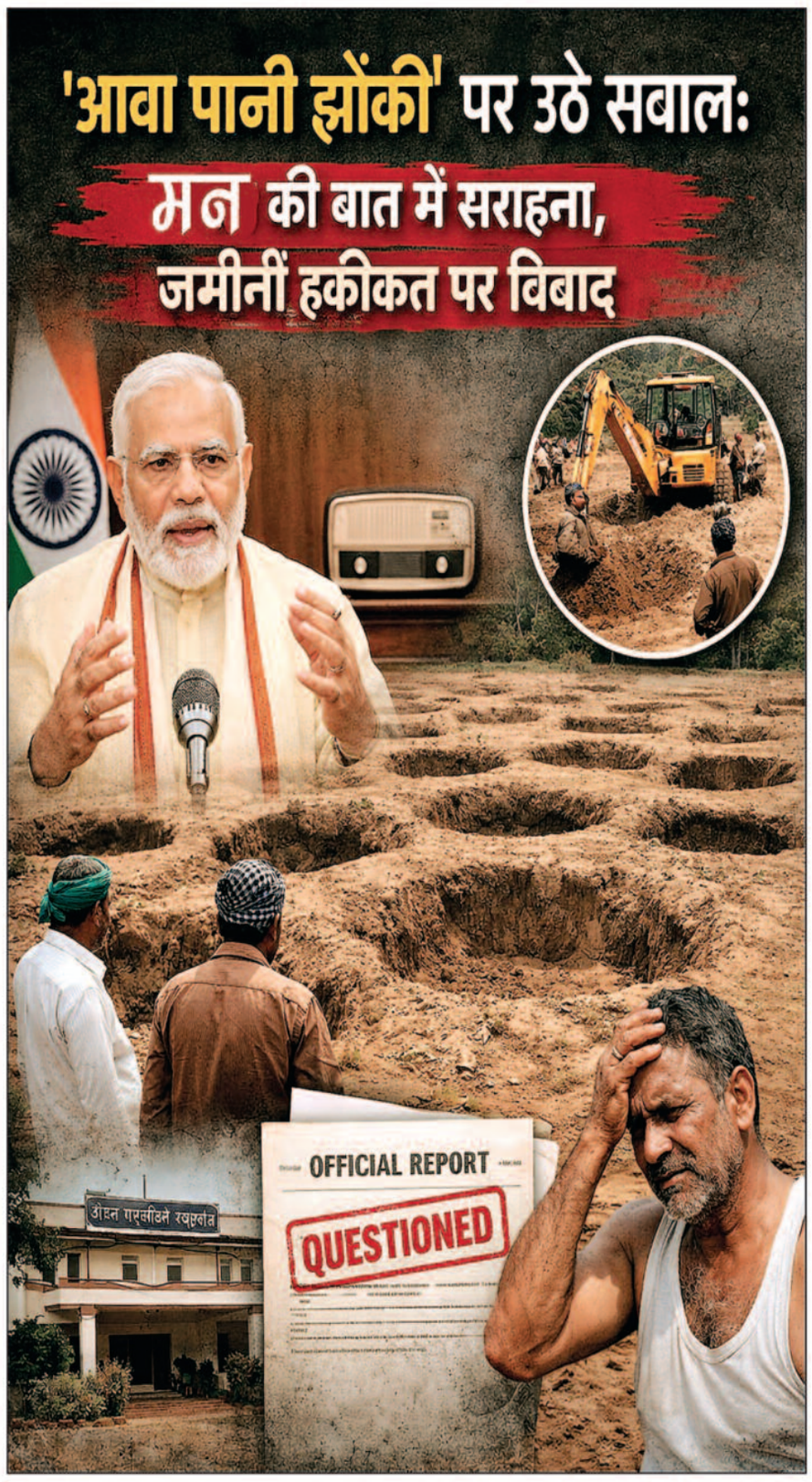

अभियान की अवधारणा और प्रशासनिक दावे...

'आवा पानी झोंकी' अभियान की मूल अवधारणा यह बताई गई है कि किसान अपनी कुल कृषि भूमि का लगभग पांच प्रतिशत हिस्सा जल संरक्षण के लिए समर्पित करें और वहां सोखता गड्ढों का निर्माण करें, जिससे वर्षा जल का संचयन हो सके और भूजल स्तर में सुधार आए। प्रशासन का दावा है कि यह अभियान पूरी तरह जनभागीदारी पर आधारित है, जिसमें किसान स्वेच्छा से इस पहल में शामिल हो रहे हैं और प्रशासन केवल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देने की भूमिका निभा रहा है, अभियान की सफलता के दावे भी बड़े स्तर पर किए गए कहा गया कि हजारों की संख्या में गड्ढों का निर्माण हुआ है और इससे जल स्तर में सुधार के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं,यही कारण रहा कि यह पहल प्रधानमंत्री के मंच तक पहुंची और उसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली।

ग्राम डुमरिया की तस्वीर ने बदली चर्चा की दिशा

हालांकि, इसी बीच बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम डुमरिया से सामने आई एक तस्वीर ने पूरे अभियान की वास्तविकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,इस तस्वीर में एक ही स्थान पर बड़ी संख्या में करीब 52 सोखता गड्ढे नजर आ रहे हैं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है कि ये सभी गड्ढे जेसीबी मशीन की मदद से एक ही दिन में खोदे गए हैं,ग्रामीणों के अनुसार, यह वही पांच प्रतिशत मॉडल के अंतर्गत बनाए गए गड्ढे हैं,जिनका उल्लेख प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में किया था, यदि यह दावा सही है,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस अभियान को जनभागीदारी का उदाहरण बताया जा रहा है,वह वास्तव में मशीन आधारित कार्यों के जरिए पूरा किया जा रहा है।

जनभागीदारी बनाम मशीन आधारित कार्यः विरोधाभास की स्थिति

इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू यही है कि क्या 'आवा पानी झोंकी' वास्तव में जनसहभागिता पर आधारित है या फिर इसे प्रशासनिक स्तर पर मशीनों के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है,यदि गड्ढों का निर्माण जेसीबी जैसी मशीनों से किया जा रहा है, तो यह स्पष्ट रूप से उस दावे के विपरीत है जिसमें इसे किसानों की स्वैच्छिक भागीदारी बताया गया है, जनभागीदारी का अर्थ होता है कि लोग स्वयं श्रमदान या अपनी पहल से कार्य करें, जबकि मशीनों का उपयोग इस अवधारणा को कमजोर करता है,ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस अभियान की वास्तविक तस्वीर को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

शासकीय भूमि पर निर्माण,उपयोगिता पर भी प्रश्न

डुमरिया में जहां ये गड्ढे बनाए गए हैं,वह भूमि शासकीय बताई जा रही है और उसका रकबा लगभग डेढ़ से दो एकड़ के बीच बताया गया है, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इतनी बड़ी भूमि पर अलग-अलग गड्ढे खोदने के बजाय एक समुचित तालाब का निर्माण किया जाता, तो जल संरक्षण अधिक प्रभावी तरीके से हो सकता था,इसके अलावा,तालाब निर्माण से मछली पालन जैसे अतिरिक्त आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता था,जिससे पंचायत को आय का एक स्थायी स्रोत मिलता, इस दृष्टिकोण से भी वर्तमान मॉडल की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं।

क्या शीर्ष स्तर तक पहुंची अधूरी या गलत जानकारी?

इस पूरे घटनाक्रम ने एक और गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है, क्या अभियान की वास्तविक स्थिति शीर्ष स्तर तक सही रूप में पहुंचाई गई थी? यदि जमीनी हकीकत और प्रस्तुत किए गए दावों में अंतर है, तो यह संभावना भी जताई जा रही है कि उच्च स्तर पर अधूरी या भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की गई हो,प्रधानमंत्री द्वारा किसी पहल का उल्लेख होना अपने आप में बड़ी बात होती है, लेकिन यदि उस पहल की जमीनी सच्चाई अलग हो,तो यह न केवल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठाता है बल्कि पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है।

श्रेय और पदोन्नति की होड़ का आरोप

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि इस अभियान को लेकर अधिकारियों के बीच श्रेय लेने और पदोन्नति की होड़ चल रही है,कुछ लोगों का मानना है कि इसी कारण इस अभियान को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया और उसकी वास्तविकता को नजरअंदाज किया गया,हालांकि,इन आरोपों की पुष्टि अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से यह मुद्दा सामने आया है,उसने प्रशासनिक दावों की विश्वसनीयता पर असर जरूर डाला है।

प्रशासन की चुप्पी और बढ़ती मांगें...

अब तक इस मामले में जिला प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है,वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग तेज होती जा रही है, लोगों का कहना है कि यदि अभियान वास्तव में सफल है,तो उसकी वास्तविक तस्वीर सामने लाई जाए और यदि कहीं गड़बड़ी है,तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

जल संरक्षण की आवश्यकता और सही मॉडल की तलाश

यह भी महत्वपूर्ण है कि जल संरक्षण जैसे गंभीर विषय पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या गलत प्रस्तुति दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती है, कोरिया जिला सहित पूरे क्षेत्र में भूजल स्तर में गिरावट एक वास्तविक समस्या है, जिसके समाधान के लिए ठोस और प्रभावी उपायों की आवश्यकता है, 'आवा पानी झोंकी' जैसे अभियान यदि सही तरीके से लागू किए जाएं, तो वे निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि योजनाओं को वास्तविकता के आधार पर लागू किया जाए और उनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश पुलिस की बॉर्डर मीटिंग, अपराध व तस्करी रोकने बनाई संयुक्त रणनीति

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर में सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश पुलिस के बीच अहम बॉर्डर मीटिंग आयोजित की गई, इस बैठक में अपराध नियंत्रण, सूचनाओं के आदान-प्रदान और अवैध तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर संयुक्त रणनीति तैयार की गई,यह बैठक सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा तथा डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर आयोजित की गई। उन्होंने सीमावर्ती थाना क्षेत्रों की पुलिस को संयुक्त ऑपरेशन चलाने, अपराधियों की धरपकड़ तेज करने और किसी भी वारदात के बाद सीमाओं पर सख्त नाकाबंदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, निर्देशों के पालन में छत्तीसगढ़ के थाना चांदनी और मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के थाना बैढ़न पुलिस के बीच रविवार, 05 अप्रैल

2026 को थाना कोतवाली बैढ़न में विस्तृत बैठक आयोजित हुई। लगभग तीन घंटे तक चली इस बैठक में अंतरराज्यीय अपराधियों की धरपकड़ में आपसी सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि दोनों राज्यों की पुलिस के बीच त्वरित सूचना साझा करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जिससे किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा की जा सके, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित संयुक्त गश्त करने,संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और अपराधियों तक शीघ्र पहुंचने के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई,इसके अलावा अवैध शराब, मादक पदार्थ,पशु तस्करी एवं अन्य अवैध सामग्री के परिवहन पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी सहमति बनी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीमा क्षेत्रों में सघन चेकिंग और निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया गया, बैठक में थाना प्रभारी चांदनी राम प्रताप साहू,थाना बैढ़न के एसआई विनोद सिंह सहित दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि इस तरह की संयुक्त पहल से सीमावर्ती क्षेत्रों में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अंजू अग्रवाल पति अजेश अग्रवाल, निवासी भट्ठी रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला चोपड़ापारा, शीट नंबर- 01 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 9/98 रकबा 0.07 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सुनील कुमार सिन्हा आ0 स्व0 जगदीश प्रसाद सिन्हा, हरेन्द्र कुमार सिन्हा आ0 स्व0 कैलाश प्रसाद सिन्हा, दोनों निवासी केदारपुर, त्रिकोण चौक के पास, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला केदारपुर, शीट नंबर-04 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 1951/30 रकबा $0.07^{1/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अंजू अग्रवाल पति अजेश अग्रवाल, निवासी भट्ठी रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला केदारपुर, शीट नंबर -04 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 1951/69, 1951/72 रकबा 0.05, $0.06^{3/4}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजेश अग्रवाल आ0 खजानचंद अग्रवाल, निवासी भट्ठी रोड़, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य तहसील अम्बिकापुर, की मोहल्ला केदारपुर भट्ठी रोड़, शीट नंबर-1 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 1951/9, रकबा 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0-202408020700012 /अ-27/2023-24

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202408020700012/अ-27/2023-24 पक्षकार पार्वती प्रति नंदलाल वगै0 में ग्राम मायापुर स्थित कुल खसरा नम्बर 03 कुल रकबा 0.9760 हे0 भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/04/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 06/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-3

CMYK

रहस्यमयी मौत या हत्या? 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी, परिजनों ने उठाए गंभीर सवाल

बारात देखने गया युवक सुबह मृत मिला,एक्सीडेंट की थ्योरी पर संदेह,जांच पर उठे प्रश्न

-संवाददाता-
बचरापोंडी/खड़गवां,
07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

खड़गवां के ग्राम पंचायत ठगगांव के डोभा पारा में 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, मृतक की पहचान बिजेंद्र (21 वर्ष),पिता रामकुमार के रूप में हुई है,परिजन इस घटना को सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे सुनियोजित हत्या बता रहे हैं, वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और जांच जारी है। परिजनों के अनुसार 24 फरवरी 2026 की रात बिजेंद्र गांव में पड़ोस में आई बारात देखने गया था, उस समय परिवार के अन्य सदस्य भी आसपास मौजूद थे,देर रात सभी लोग घर लौट आए,लेकिन बिजेंद्र वापस नहीं पहुंचा,इसके बाद परिवार ने उसकी तलाश शुरू की,लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

अगले दिन मिली मौत की सूचना

अगले दिन सुबह लगभग 9 से 10 बजे व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना मिली कि रात करीब 10 से 11 बजे के बीच बंजारीडांड क्षेत्र में उसका एक्सीडेंट हो गया है,सूचना मिलने के बाद परिजन मौके की जानकारी जुटाने लगे। बताया गया कि बचरापोंडी थाना स्टाफ शव को बैकुंठपुर जिला अस्पताल ले गया, जहां पोस्टमार्टम कराया गया।

एक्सीडेंट की थ्योरी पर सवाल

परिजनों ने इस घटना को सड़क दुर्घटना मानने से इनकार किया है, उनका कहना है कि घटनास्थल पर दुर्घटना के कोई स्पष्ट सबूत नहीं मिले, परिजनों के अनुसार सड़क पर घिसटने के निशान नहीं थे, कोई वाहन क्षतिग्रस्त हालत में नहीं मिला,मृतक की बाइक घर पर ही खड़ी थी, इन तथ्यों के आधार पर परिजन इसे संदिग्ध मान रहे हैं।

डीजे विवाद और संदिग्ध घटनाक्रम-

सूत्रों के अनुसार,बारात के दौरान डीजे बजाने वाले कुछ युवकों के बीच विवाद हो रहा था, बताया जा रहा है कि बिजेंद्र ने उन्हें समझाने की कोशिश की थी, इसके बाद यह भी कहा जा रहा है कि संबंधित युवक नशे की हालत में थे,बिजेंद्र को पिकअप वाहन में बैठाकर बंजारीडांड की ओर ले जाया गया,अगले दिन उसी क्षेत्र के पास उसका शव मिला,परिजन आशंका जता रहे हैं कि उसके साथ मारपीट की गई हो सकती है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बयान दर्ज,लेकिन गिरफ्तारी नहीं...

मामले में डीजे वाहन चालक का बयान बचरापोंडी चौकी में दर्ज किया गया है,इसके अलावा बैकुंठपुर थाने में चार अन्य लोगों के बयान भी लिए गए हैं, इसके बावजूद अब तक किसी भी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हुई है,जिससे परिजनों में नाराजगी है।

मंत्री से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं...

मृतक के परिजन न्याय की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से भी मिले थे,बताया गया कि 23 मार्च को मंत्री के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है।

पुलिस का पक्ष

बचरापोंडी चौकी प्रभारी लक्ष्मी कश्यप के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है और मामले की जांच जारी है,हालांकि,पुलिस की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि मौत दुर्घटना में हुई या इसके पीछे कोई आपराधिक कारण है।

इलाके में चर्चा और बढ़ती आशंका

घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्रों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, स्थानीय लोग भी घटना को संदिग्ध मानते हुए निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

स्पष्ट अस्वीकरण

मामले की जांच जारी है, परिजनों और सूत्रों के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

विकाश कुमार साहू बने सरगुजा संभाग आईटी सेल संयोजक

साहू समाज में उत्साह

-संवाददाता-
सरगुजा,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा संगठन विस्तार करते हुए आईटी सेल में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, इसी क्रम में विकाश कुमार साहू को सरगुजा संभाग का आईटी सेल संयोजक नियुक्त किया गया है, इस नियुक्ति के बाद सरगुजा संभाग सहित पूरे साहू समाज में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

यह नियुक्ति आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका प्रसाद साहू द्वारा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति से की गई है, कार्यकारिणी विस्तार के तहत जारी पहली सूची में कुल 17 पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं,जिसमें विकाश कुमार साहू को महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है,विकाश कुमार साहू को यह जिम्मेदारी उनकी सक्रिय सामाजिक कार्यशैली, संगठन के प्रति समर्पण और पूर्व अनुभव को देखते हुए सौंपी गई है, इससे पहले वे आईटी प्रकोष्ठ में प्रदेश संयुक्त सचिव के पद पर रहकर अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं, उनके कार्यकाल में संगठन की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार और डिजिटल माध्यमों के उपयोग में उल्लेखनीय सुधार देखा गया था, नियुक्ति की खबर मिलते ही सरगुजा संभाग के सभी जिलाध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, गढ़ साहू समाज तथा स्वजातीय बंधुओं और बहनों में खुशी की लहर दौड़ गई, सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है, नवनियुक्त संयोजक विकाश कुमार साहू ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक समाजहित के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे,साथ ही आईटी सेल के माध्यम से समाज की गतिविधियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार कर युवाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे,उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को सामाजिक गतिविधियों में सहभागी बनाने की दिशा में विशेष पहल की जाएगी,संगठन के पदाधिकारियों ने भी विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में आईटी सेल और अधिक सक्रिय होकर समाज के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रबंध संचालक भीम सिंह का सूरजपुर दौरा,

दूरस्थ गांवों में विद्युतीकरण कार्य को मिली गति

खड़ापारा,मसानकी और बांक गांवों का किया स्थल निरीक्षण,मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना के तहत होगा विद्युतीकरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक भीम सिंह ने 4 अप्रैल 2026 को सूरजपुर जिले का दौरा कर दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में प्रस्तावित विद्युतीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खड़ापारा, मसानकी और बांक जैसे अब तक विद्युत-विहीन गांवों का स्थल निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, उनके दौरे से विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला,मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के तहत स्वीकृत इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के उद्देश्य से प्रबंध संचालक ने निविदा प्रक्रिया को तेज करते हुए इसे 21 दिनों के बजाय 10 दिनों में पूर्ण करने की अनुमति दी है, यह पहल न केवल विद्युत आपूर्ति को जल्द सुनिश्चित करेगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई दिशा देगी,यह दौरा केवल औपचारिक निरीक्षण नहीं,बल्कि दूरस्थ गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। यदि तय समय सीमा में कार्य पूर्ण होता है, तो यह क्षेत्र के विकास की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रबंध संचालक भीम सिंह का आगमन ग्राम खड़ापारा में हुआ,जहां विभागीय अधिकारियों द्वारा उनका स्वागत किया गया,इसके बाद उन्होंने ओड़गी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम मसानकी और बांक का दौरा किया। इन गांवों में प्रस्तावित विद्युतीकरण कार्यों के लिए निर्धारित रूट का उन्होंने सूक्ष्म निरीक्षण किया और स्थल की भौगोलिक एवं तकनीकी स्थिति का आकलन किया।

मजरा-टोला योजना से मिलेगा लाभ

यह विद्युतीकरण कार्य राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत स्वीकृत है, इन दूरस्थ और अब तक बिजली से वंचित गांवों में विद्युत आपूर्ति शुरू होने से ग्रामीणों को घरेलू सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार और लघु उद्योगों में भी व्यापक लाभ मिलेगा।

निविदा प्रक्रिया में तेजी के निर्देश

प्रबंध संचालक ने कार्य की तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए निविदा प्रक्रिया को निर्धारित 21 दिनों के बजाय 10 दिनों में पूर्ण करने की स्वीकृति प्रदान की, इससे कार्य प्रारंभ होने की प्रक्रिया तेज होगी और समय पर परियोजना पूर्ण होने की संभावना बढ़ेगी।

तकनीकी चुनौतियों पर दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संभावित तकनीकी चुनौतियों का आकलन करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की बाधा न आए, उन्होंने रूट सर्वे के दौरान आवश्यक सुधार और कार्य योजना को सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया।

ग्रामीणों से संवाद और भरोसा

दौरे के दौरान प्रबंध संचालक ने ग्रामीणों से भी मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि शीघ्र ही उनके गांवों में बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी,उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु से पूर्व कार्य पूर्ण करने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जाए।

अधिकारियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर रायपुर से अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनीस लखेरा,अंबिकापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार,अधीक्षण अभियंता वी.के. तिवारी, के.एन. सिंह,कार्यपालन अभियंता मुकेश ध्रुव, बसंत सोम सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिरमिरी में नशे पर पुलिस का सख्त प्रहार, 32 नशीले इंजेक्शन के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

आईजी दीपक झा और एसपी रत्ना सिंह के निर्देश पर कार्रवाई,लगातार दूसरी बड़ी सफलता,तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज,नेटवर्क की जांच जारी

-संवाददाता-
एमसीबी,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के चिरमिरी क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है, पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा (आईपीएस) और पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह (आईपीएस) के निर्देशों पर चिरमिरी पुलिस द्वारा की जा रही सख्त कार्रवाई का असर अब साफ तौर पर दिखाई देने लगा है, इसी कड़ी में 5 अप्रैल को थाना चिरमिरी पुलिस ने 6 नंबर गोलाई क्षेत्र में घेराबंदी कर एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया,जिनके पास से 32 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए,जब्त किए गए इंजेक्शन की कीमत करीब 22 हजार रुपये आंकी गई है, इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले ली है,इस कार्रवाई को हाल के दिनों में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की दूसरी बड़ी सफलता माना जा रहा है, चिरमिरी पुलिस की लगातार कार्रवाई से नशा तस्करों में दहशत का माहौल बनता जा रहा है, यदि इसी तरह अभियान जारी रहा, तो क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विजय सिंह,एएसआई नयिम खान, महिला प्रधान आरक्षक रुकमणी बंजारे,आरक्षक विकास कुजूर एवं सैनिक प्रमोद साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी सराहना की जा रही है।

पुलिस का सख्त संदेश

थाना प्रभारी विजय सिंह ने स्पष्ट कहा है कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस अवैध कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़ी अवैध संपत्ति की भी जांच कर रही है।

घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नशीले इंजेक्शन की तस्करी की जा रही है,सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 6 नंबर गोलाई के पास घेराबंदी की और मौके पर एक युवक एवं एक युवती को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 32 नग नशीले इंजेक्शन बरामद हुए।

पहले पकड़े गए आरोपी से मिला सुराग

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पूर्व में गिरफ्तार आरोपी विवेक पटेल से मिली जानकारी के आधार पर की गई,पूछताछ के दौरान अभिषेक समुद्रे का नाम सामने आया था,जो गिरफ्तारी से बचने के लिए मोबाइल फोन तोड़कर फरार हो गया था। इसी इनपुट के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई...

दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) एवं 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है, पुलिस द्वारा पूरे मामले की गहन विवेचना की जा रही है और तस्करी के नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है।

लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई...

गौरतलब है कि इससे पहले भी चिरमिरी पुलिस ने नशीले इंजेक्शन की तस्करी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से यह स्पष्ट है कि पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ पूरी सख्ती के साथ अभियान चला रही है।

सेवानिवृत शिक्षक परिवार की मातृशक्ति सत्यभामा जायसवाल का निधन,शहर में शोक

-संवाददाता-
सरगुजा,07 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर नगर के भैयाथन रोड निवासी सेवानिवृत शिक्षक स्व. एस. पी. जायसवाल की धर्मपत्नी सत्यभामा जायसवाल का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थीं, उनके निधन से शहर सहित समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई है,सत्यभामा जायसवाल एक धार्मिक, सरल एवं स्नेही स्वभाव की महिला थीं,जिन्होंने अपने परिवार और समाज में हमेशा आदर्श जीवन मूल्यों को प्राथमिकता दी,उनके निधन की खबर मिलते ही परिजनों,परिचितों और समाज के लोगों का उनके निवास पर तांता लग गया। वे राजेश मेडिकल के संचालक राजेश जायसवाल,राकेश जायसवाल एवं डॉ. रजनीश जायसवाल की माताश्री थीं,साथ ही डॉ. सचिन एवं डॉ. सुरभि की दादी थीं। परिवार और समाज में उनका विशेष सम्मान था और वे सभी के लिए प्रेरणास्रोत रही हैं,उनका अंतिम संस्कार स्थानीय रेणुका नदी तट स्थित मुक्ति धाम में किया गया,जहां बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें अंतिम विदाई दी,उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं,सत्यभामा जायसवाल का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनके स्नेह, संस्कार और मार्गदर्शन को हमेशा याद किया जाएगा।

सरके चुनर तेरी सरके विवाद में एनसीडब्ल्यू ने नोरा फतेही को दी आखिरी चेतावनी

संजय दत्त को भी भेजा समन!

सरके चुनर तेरी सरके को लेकर चल रहे विवाद की तरफ से अब एक्ट्रेस नोरा फतेही को राष्ट्रीय महिला आयोग ने पेश होने का आखिरी अवसर दिया है। उन्हें एनसीडब्ल्यू के सामने इतनी तारीख को पेश होना होगा। सरके चुनर तेरी सरके गाने को लेकर बीते कुछ समय से काफी विवाद गरमाया हुआ है। केडी फिल्म के मेकर्स ने नोरा फतेही और संजय दत्त के इस गाने को हिंदी में डब किया था,जिसके भद्दे लिरिक्स को लेकर कड़ा ऐतराज जताया गया। इस मामले में कई जगहों पर मेकर्स के साथ-साथ नोरा फतेही और संजय दत्त के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गई थी। अब इस पूरे विवाद में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए नोरा फतेही को आखिरी चेतावनी दी है और उन्हें खुद आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है।

महिला आयोग ने इस तारीख को पेश होने का दिया आदेश

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, गाने के कथित आपत्तिजनक बोल को लेकर पैनल ने 6 अप्रैल को सुनवाई की। इस मामले में आयोग के सामने नोरा फतेही के वकील पेश हुए थे, लेकिन एनसीडब्ल्यू ने वकील के माध्यम से प्रतिनिधित्व स्वीकार करने से इनकार कर दिया और एक्ट्रेस को खुद महिला आयोग के सामने पेश होने का निर्देश दिया। एनसीडब्ल्यू ने स्पष्ट किया, नोरा फतेही को 27 अप्रैल को आयोग के सामने पेश होने का अंतिम अवसर दिया जा रहा है। इस सुनवाई की अध्यक्षता एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन विजया राहटकर ने की।

संजय दत्त को भी एनसीडब्ल्यू ने भेजा समन

इस विवाद मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त को भी समन भेजा है और उन्हें 8 अप्रैल को आयोग के समक्ष पेश होने का आदेश दिया है। इसके अलावा 6 अप्रैल को हुई इस कार्यवाही के दौरान गीतकार रकीब आलम, निर्देशक प्रेम और गौतम केएम भी पेश हुए थे। इस दौरान एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन विजया राहटकर ने गाने के बोल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताया।
आपको बता दें कि इससे पहले नोरा फतेही ने इस गर्माते विवाद पर अपनी सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने 3 साल पहले यह गाना कन्नड़ भाषा में शूट किया था और उन्हें इस बात की बिल्कुल जानकारी नहीं थी कि हिंदी में इसके लिरिक्स ऐसे होंगे। नोरा का दावा था कि उनकी अनुमति के बिना मेकर्स ने उनकी और संजय दत्त की तस्वीरों को एआई का इस्तेमाल करके इन विवादित लिरिक्स के साथ जोड़ दिया था।

अल्लू अर्जुन-एटली और दीपिका की फिल्म की पहली झलक

खतरनाक पंजे के पीछे का क्या है सीक्रेट?
8 अप्रैल सुबह 11 बजे होगा खुलासा

पुष्पा 2 से बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अल्लू अर्जुन एक बार फिर दर्शकों के बीच बड़े धमाके की तैयारी में जुट गए हैं। अब सुपरस्टार जवान डायरेक्टर एटली कुमार की एए22×ए6 में नजर आएंगे,जिसका पहला टीजर पोस्टर जारी कर दिया गया है। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों धुरंधर 2 का ही जलवा छाया है। हर तरफ बस रणवीर सिंह स्टारर फिल्म की ही चर्चा है। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म 1600 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। धुरंधर 2 के अलावा रणबीर कपूर स्टारर रामायण को लेकर भी दर्शकों में जबरदस्त क्रेज है। इस बीच एक और बड़ी फिल्म का ऐलान हो चुका है और वो भी बेहद दमदार अंदाज में। धुरंधर 2, रामायण और वाराणसी जैसी बड़ी फिल्मों के बीच एटली कुमार ने पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन अभिनीत नई फिल्म का धांसू टीजर पोस्टर जारी कर दिया है, जिसने अल्लू अर्जुन के फैंस के बीच हलचल पैदा कर दी है। यही नहीं,अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर एटली कुमार सुपरस्टार के फैंस को एक जबरदस्त सरप्राइज देने की तैयारी में हैं।

8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन का बर्थ डे

अल्लू अर्जुन के जन्मदिन को लेकर उनके फैंस के बीच पहले से ही काफी उत्साह का माहौल है,और यह सिर्फ जश्न तक ही सीमित नहीं है। अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर मेकर्स बहुप्रतीक्षित फिल्म एए22×ए6 का टाइटल पोस्टर जारी करने वाले हैं, जिसका फैंस को लंबे समय

से इंतजार था। अभिनेता के जन्मदिन से एक दिन पहले एए22×ए6 के मेकर्स ने एक टीजर पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। इसी के साथ मेकर्स ने 8 अप्रैल को सुबह 11 बजे टाइटल पोस्टर जारी करने का भी वादा किया है।

एए22xए6 का टीजर पोस्टर

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म एए22×ए6 के निर्माताओं ने एक टीजर पोस्टर जारी किया है। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म के पोस्टर में एक भेड़िया जैसे नुकीले पंजों वाला हाथ अंधेरे बैकग्राउंड को चीरता हुआ दिखाई दे रहा है, जो एक दमदार और भव्य माहौल का संकेत देता है। पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, ब्लास्ट टाइटल पोस्टर के लिए तैयार हो जाइए-आज सुबह 11 बजे। इस पोस्ट में मेकर्स ने अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को भी टैग किया है, जिससे पता चलता है कि दीपिका भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

एए22xए6: कलाकार और क्रू

एए22×ए6 को एक हाई ओक्टेन एक्शन एंटरटेनर के रूप में पेश किया जा रहा है, जिसमें अल्लू अर्जुन एक ऐसे क्षेत्र में कदम रख रहे हैं जो उनके लिए भी बिल्कुल नया है। अल्लू अर्जुन के साथ इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी हैं। एटली कुमार के साथ दीपिका ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान में भी काम कर चुकी हैं, जिसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे और उनके साथ नयनतारा भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में थीं। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने फिल्म के वीएफएक्स के लिए हॉलीवुड के दिग्गजों के साथ साझेदारी की है।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं एटली कुमार

इससे पहले,फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए एटली ने कहा था, यह वह फिल्म है जिसे बनाने का मैंने हमेशा सपना देखा है। स्क्रिप्ट को एक ऐसे रूप में ढालने में सालों का समय लगा है जिस पर मुझे पूरा विश्वास है। अब इसे आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन सर के साथ,सन पिक्चर्स में कलानिधि मारन सर के दूरदर्शी नेतृत्व में,पर्दे पर उतारना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। फिल्म अपने मूल में जनहितकारी है और इसकी कहानी कहने का अंदाज जादुई है,जो दुनिया भर के दर्शकों को भावुक और मनोरंजन करने के लिए बनाई गई है। फिलहाल, सभी की निगाहें टाइटल के अनावरण पर टिकी हैं,और प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि कल, 8 अप्रैल को पोस्टर जारी होने के बाद आगे क्या होता है।

शादी के बाद सातवें आसमान पर मोनालिसा

नई-नवेली दुल्हन को गोद में उठाकर झूमे फरमान, धमकियों का नहीं कोई असर

फरमान खान से शादी के बाद महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा सातवें आसमान पर हैं। हाल ही में वायरल गर्ल ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पति संग रोमांटिक होती नजर आ रही हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान सोशल मीडिया पर छाने वाली मोनालिसा भोसले अब अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों ही मोनालिसा ने अपने परिवार के खिलाफ जाकर फरमान से शादी रचाई है,जिसके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाए रहे। मोनालिसा ने पुलिस की सुरक्षा में फरमान से शादी की और अब अपने हैप्पी स्पेस में हैं। सोशल मीडिया पर मोनालिसा एक्टिव हैं और लगातार वीडियोज और तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अब हाल ही में वायरल गर्ल ने एक वीडियो शेयर किया है,जिसमें उन्हें पति संग रोमांटिक होते और खिलखिला कर हंसते देखा जा सकता है।

पति फरमान संग रोमांटिक हुईं मोनालिसा

मोनालिसा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह किसी पार्क जैसी लोकेशन में दिखाई दे रही हैं और दुपट्टा लहराते हुए दौड़ रही हैं। उनके पीछे फरमान हैं,जो आगे जाकर मोनालिसा को गोद में उठा लेते हैं।

वीडियो से साफ है कि मोनालिसा अपनी शादी से बेहद खुश हैं। मोनालिसा ने जब से फरमान से शादी की है, लगातार चर्चा में हैं। उनके रिश्ते पर काफी विवाद भी हो रहा है। मोनालिसा का कहना है कि उनका परिवार और समाज उनके और फरमान के रिश्ते के खिलाफ है और उन्हें अलग करने की कोशिश में है। लेकिन, तमाम विवादों और धमकियों के बीच मोनालिसा पति फरमान संग चहकती नजर आ रही हैं, जिससे साफ है कि वह फरमान के साथ बेहद खुश हैं।

फरमान से मोनालिसा की शादी

मोनालिसा ने मार्च 2026 में ही फरमान खान से शादी की है। फरमान से शादी के लिए मोनालिसा ने तिरुवनंतपुरम के थंपानूर पुलिस स्टेशन में शरण ली, जहां उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद उन्होंने मंदिर में जाकर फरमान से शादी कर ली,जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए थे। दोनों ने अपने परिवारों द्वारा उनके रिश्ते का विरोध करने के बाद पुलिस की सुरक्षा में शादी की। दोनों की लव स्टोरी फेसबुक से शुरू हुई थी। मोनालिसा के अनुसार, उनके पिता और उनके और फरमान के रिश्ते के खिलाफ हैं और किसी और से शादी के लिए मजबूर कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपने प्रेमी से शादी कर ली। ब्रेन वॉश किया जा रहा है।

खेल समाचार

भारत के 8 मुक्केबाजों ने बनाई फाइनल में जगह

उलानबटार,07 अप्रैल 2026। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत ने अपना शानदार अभियान जारी रखा है। भारत के कुल आठ मुक्केबाज (छह महिलाएं और दो पुरुष) फाइनल में पहुंच गए हैं। मंगलवार को महिलाओं के सेमीफाइनल में मीनाक्षी और जैस्मिन ने मोर्चा संभाला,जबकि विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने पुरुषों की श्रेणी में दमदार प्रदर्शन करते हुए इस संख्या में और इजाफा किया। अलग-अलग कैटेगरी में आठ फाइनलिस्ट के साथ,भारत इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के आखिरी दिन में मजबूत लय के साथ उतर रहा है। भारतीय मुक्केबाजों वाले अन्य अहम फाइनल मुकाबलों में, प्रीति (54 किलोग्राम) का सामना चीनी ताइपे की हुआंग शियाओ-वेन से होगा,जबकि प्रिया (60 किलोग्राम) का मुकाबला उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वोन से होगा। अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) अपने गोल्ड मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश से भिड़ेंगी।

महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी ने थाईलैंड की थिप्सत्चा योदवारी पर 4:1 से जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित की। दूसरी ओर,जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा को एक कड़े मुकाबले में 3:2 से मात दी। पुरुषों में 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने शानदार प्रदर्शन किया और जॉर्डन के हुथैफा एशिश को सर्वसम्मत 5:0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सचिन (60 किलोग्राम) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के सकदा रुआमथम पर 4:1 से ठोस जीत दर्ज करते हुए सभी को प्रभावित किया।
अन्य परिणामों में,आकाश उज्बेकिस्तान के जावोखिर अब्दुरखिमोव के खिलाफ 1ः4 से हार गए। लोकेश को उज्बेकिस्तान के जसुर्बेक युल्डोशेव के खिलाफ 0:5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। नरेंद्र को चीन के बायिकेवुजी दानाबिएके के हाथों 1:4 से हार का सामना करना पड़ा। हर्ष चौधरी ताजिकिस्तान के परविज करीमोव के विरुद्ध 1:4 से हार गए। भारत अब इन दमदार प्रदर्शनों को गोल्ड मेडल में बदलने की उम्मीद करेगा। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में,मीनाक्षी का मुकाबला मंगोलिया की नोमुंडारी एनख-अमगालन से होगा। वहीं, जैस्मिन 57 किलोग्राम वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पुनरावी रुएनरोस से भिड़ने के लिए तैयार हैं।

आरोन रैमसे ने फुटबॉल से लिया संन्यास

युगांडा,07 अप्रैल 2026। पूर्व आर्सेनल और वेल्स मिडफील्डर आरोन रैमसे ने अपने पेशेवर फुटबॉल करियर से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। रैमसे ने अपने करियर में कई बड़े क्लबों और अंतरराष्ट्रीय टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और उनकी यह घोषणा फुटबॉल जगत में चर्चित हो गई है। रैमसे ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि यह उनके लिए एक भावनात्मक फैसला है, लेकिन अब समय आ गया है कि वे नए अवसरों और व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि फुटबॉल उनके जीवन का अहम हिस्सा रहा है और इस खेल ने उन्हें अनुशासन, मेहनत और टीम वर्क के महत्व को समझाया। आरोन रैमसे ने अपने करियर की शुरुआत कार्दिफ़ सिटी से की थी, जहाँ उन्होंने अपनी युवा प्रतिभा के दम पर खुद को पेश किया। इसके बाद उन्होंने आर्सेनल जॉइन किया, जहाँ उनका करियर चरम पर पहुँचा। आर्सेनल के लिए रैमसे ने महत्वपूर्ण मैचों में कई निर्णायक गोल किए और टीम की कई सफलताओं में योगदान दिया। उनकी आर्सेनल के लिए सबसे यादगार उपलब्धियों में 2013-14 और 2014-15 में एफए कप जीत शामिल हैं। रैमसे ने आर्सेनल में अपने तकनीकी कौशल, रनिंग क्षमता और मैच में निर्णायक गोल करने की आदत के कारण फैन्स के बीच खास पहचान बनाई। आंतरराष्ट्रीय स्तर पर, रैमसे वेल्स राष्ट्रीय टीम के लिए कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में खेले। उन्होंने वेल्स को यूरो 2016 में सेमीफाइनल तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके योगदान के कारण उन्हें वेल्स फुटबॉल में एक प्रेरणास्पद खिलाड़ी माना जाता है। अपने करियर के अंतिम वर्षों में रैमसे ने इटली के यूनाइटेड क्लबों में भी खेला, जहां उन्होंने अपनी अनुभव और कौशल से टीम को मजबूती दी। हालांकि चोटें और फिटनेस की समस्याओं ने उनके खेल को प्रभावित किया, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपनी टीम के लिए योगदान देते रहे।

दिल्ली कैपिटल्स का होगा गुजरात टाइटंस से सामना

आईपीएल2026 के 14 वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी...जहां दिल्ली समीर रिजवी की फॉर्म पर भरोसा कर रही है,वहीं गुजरात को अपनी पहली जीत के लिए कप्तान शुभमन गिल की वापसी और गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन की दरकार है...

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। आईपीएल 2026 के 14वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का सामना बुधवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। अक्षर पटेल की कप्तानी में डीसी जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से इस मुकाबले में उतरेगी। वहीं,जीटी को इस सीजन की पहली जीत की तलाश होगी। दोनों टीमों के बीच फैंस को एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

जीत की लय बरकरार रखना चाहेगी दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से बल्लेबाजी में समीर रिजवी का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने लगातार दो मुकाबलों में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई है। पाथुन निसांका ने भी पिछले मुकाबले में 30 गेंदों पर 44 रनों की अहम पारी खेली थी। हालांकि,केएल राहुल और नीतीश

राणा की फॉर्म जरूर डीसी के लिए चिंता करने वाली बात रही है। राहुल 2 मुकाबलों में सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। वहीं, गेंदबाजी में मुकेश कुमार और लुंगी एनगिडी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुकेश ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 26 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। टी नटराजन ने 3 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट निकाला था। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी भी शुरुआती दो मुकाबलों में उम्मीदों पर खरी उतरी है।

गुजरात टाइटंस को वापसी की उम्मीद

गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2026 के शुरुआती दोनों ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 204 रन ही बना पाई थी। बल्लेबाजी में साई सुदर्शन कमाल की लय में नजर आए हैं। हालांकि, सुदर्शन को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका है। शुभमन गिल पूरी तरह से फिट न होने के कारण आखिरी मुकाबले में नहीं खेले थे। हालांकि, इस मैच में उनकी प्लेइंग इलेवन में वापसी होना लगभग तय माना जा रहा है। जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया और शाहरुख खान उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। गेंदबाजी में भी सिराज और रबाडा की जोड़ी ने काफी रन खर्च किए हैं। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा भी लाइन एंड लेंथ से भटके दिखाई दिए हैं। राशिद खान भी अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

कैसी होगी दिल्ली की पिच और मौसम का हाल

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच को बल्लेबाजी के मुफीद मानी जाती है। छोटी बाउंड्री होने की वजह से यहां पर खूब चौके-छक्के लगते हैं। हालांकि, इस ग्राउंड पर स्पिनर्स को भी मदद मिलती है। गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आईपीएल में अब तक कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 4 मैच जीटी ने जीते हैं। वहीं, 3 मुकाबलों में डीसी ने जीत दर्ज की है। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को दिल्ली में दिन के समय में बारिश होने की आशंका है। हालांकि, मैच के दौरान बारिश होने के चांस कम हैं, लेकिन काले बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

खिलाड़ियों को इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए

रहाणे के बर्ताव पर बोले सहवाग

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2026। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की शुरुआत निराशाजनक हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे भी पहले तीन मुकाबलों में संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर सवाल पूछा गया था, तो वह भड़क पड़े थे। रहाणे के बर्ताव पर भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए। सहवाग ने %क्रिकबज% के साथ बात करते हुए कहा कि रहाणे को इस तरह की आलोचना का जवाब बल्ले और अच्छे प्रदर्शन से देना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷मुझे नहीं लगता है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें कहनी चाहिए। मुझे पता है कि रहाणे कप्तान हैं और उनसे कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी न करने का कारण भी पूछा गया था। रहाणे के पास कोई सीधा जवाब नहीं था,तो उन्होंने कह दिया था क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए। मैं यह समझ सकता हूं। हालांकि,अगर कोई मेरे स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली को लेकर सवाल खड़े करे, तो यह लोगों का काम है -तारीफ

और आलोचना करना। आपको इस स्थिति में सामान्य रहना है, चाहे फिर आपकी तारीफ हो या फिर आलोचना। सहवाग ने रहाणे को इस तरह की जुबानी जंग में न उलझने की सलाह दी। उन्होंने कहा, रहाणे आलोचनाओं का जवाब दे रहे थे, लेकिन अमिताभ बच्चन तक ने कभी आलोचना का जवाब नहीं दिया है। सचिन तेंदुलकर से बड़ा उदाहरण क्या ही होगा, एक अखबार ने उनके लिए एंडुलकर लिखा था। उल्लेखनीय है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर मुश्किल सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा था, ÷मेरा स्ट्राइक रेट। 2023 से मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे स्ट्राइक रेट पर बात कर रहे हैं वह शायद मैच नहीं देख रहे हैं या फिर उनका मेरे खिलाफ कोई खास मकसद है। वह मुझे खेलता हुआ देखना नहीं चाहते हैं।÷ रहाणे ने इस सीजन अब तक खेले 3 मुकाबलों में 148 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 83 रन बनाए हैं।

भारतीय समर्थक बांग्लादेश बोर्ड के सबसे युवा अध्यक्ष बने

ढाका,07 अप्रैल 2026। बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल को देश के क्रिकेट बोर्ड का प्रेसिडेंट बनाया गया है। सरकार ने तमीम को बीसीबी का नया चीफ बनाया है, जो लगातार करप्शन के आरोपों को लेकर चर्चा में रहता है। अमीनुल इस्लाम की लीडरशिप वाले बोर्ड को भंग करने वाली सरकार ने मंगलवार को इस पूर्व ओपनर को कमान सौंप दी। तमीम, जिन्होंने हाल ही में भारत में टी20 वर्ल्ड कप के बॉयकॉट के फैसले का विरोध किया था, के प्रेसिडेंट बनने से बीसीबी के साथ रिश्ते और बेहतर होने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के चुनावों में गड़बड़ियों के बाद नए प्रेसिडेंट का चुनाव ज़रूरी हो गया था। चुनावों में करप्शन की सच्चाई का पता लगाने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई पांच मेंबर वाली कमेटी ने बोर्ड के अगले प्रेसिडेंट के तौर पर पूर्व कप्तान तमीम इकबाल के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही,अमीनुल इस्लाम की टीम को हटाने वाली सरकार ने तमीम को पावर दे दी। तमीम, जो अभी 37 साल के हैं, इस पोस्ट पर नियुक्त होने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। तमीम 11 सदस्यों वाली एड-हॉक कमेटी के साथ मिलकर बांग्लादेश क्रिकेट की तरक्की के लिए कदम उठाएंगे। सदस्यों में पूर्व कप्तान मिन्हाजुल आबेदीन, पूर्व खिलाड़ी अतहर अली खान, रश्ना इमान, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम, इसराफिल तंज़िल चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री साय ने पीएम मोदी को दिया आमंत्रण,विकास का ब्लूप्रिंट सौंपा

पीएम का बस्तर दौरा बनेगा टर्निंग पॉइंट,बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात

रायपुर,07 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर के भविष्य की एक नई तस्वीर पेश की। इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने न केवल नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का एक विस्तृत और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट भी सौंपा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को मानसून के बाद बस्तर आने का आमंत्रण दिया, जहां उनकी मौजूदगी में कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुधार के तहत नए एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं,जबकि इंद्रावती नदी पर बैराज,रेल लाइन और एयरपोर्ट विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने अपने विकास दस्तावेज़ में उल्लेख किया कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर के लिए देखा गया शांति और विकास का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब लोगों में डर नहीं,बल्कि उम्मीद और विकास की नई चमक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से बस्तर को नई दिशा और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विश्वास और उत्साह बढ़ेगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास

ब्लूप्रिंट'सैचुरेशन,कनेक्ट,फैसिलिटेट,एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है। ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की योजना है। हर घर तक बिजली पहुंचाने के कार्य तेज होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदला जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल बनाए जाएंगे,जबकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर दो बड़े प्रोजेक्ट देउरगांव और मटनार में स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। यह परियोजनाएं बस्तर की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। आजीविका और आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तीन वर्षीय योजना तैयार की है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 85% परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करना है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना के तहत अब अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है,जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। 10 जिलों में शुरू की गई यह योजना अब 7 जिलों और 3 नए जिलों (गरियाबंद,मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) तक विस्तारित हो रही है। पर्यटन के क्षेत्र में बस्तर की पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से काम हो रहा है। चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी नेशनल पार्क,एडवेंचर टूरिज्म,कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसी परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजन क्षेत्र को नई पहचान दे रहे हैं। वहीं, एक लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है,जिनमें से 40 हजार को रोजगार भी मिल चुका है। नक्सलवाद से मुक्त बस्तर के विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री के सामने जो कार्ययोजना प्रस्तुत की, उसमें 'बस्तर मुन्ने' (अग्रणी बस्तर) कार्यक्रम एक अहम पहल है। इस कार्यक्रम के तहत हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ अधिकारियों की मौजूदगी में लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे दिया जाएगा, जरूरी दस्तावेज वहीं बनाए जाएंगे और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि हर व्यक्ति तक सरकार की योजनाएँ आसानी से पहुँचें और बस्तर तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बेल मेटल निर्मित 'माता कौशल्या के राम' कलाकृति की भेंट

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपरा और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती बेल मेटल से निर्मित 'माता कौशल्या के राम' की अद्वितीय कलाकृति भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ वह पावन धरा है, जहाँ भगवान श्रीराम का ननिहाल स्थित है और यह भूमि प्रभु श्रीराम से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भेंट की गई यह कलाकृति प्रदेश की आस्था,परंपरा और सृजनशीलता का सजीव प्रतिरूप है,जो जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उत्कृष्ट शिल्पकौशल को दर्शाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'रामलला दर्शन योजना' के माध्यम से प्रदेश के हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर रहे हैं, जिससे आस्था और श्रद्धा को जन-जन तक जोड़ने का कार्य निरंतर हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार सेवा, संस्कार और सुशासन के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री का बहनोई बनकर 23 लाख ठगे

मंत्रालय में पहुंच का भरोसा दिलाया,जॉब दिलाने पैसे लिए

रायगढ़,07 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंत्रालय में जॉब दिलाने का झांसा देकर करीब 23 लाख की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया था। इसी विश्वास में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्त में 22 लाख 70 हजार कैश दे दिए थे। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। अपॉइंटमेंट लेटर देने बाद जॉइनिंग के लिए जब ठग ने टालमटोल किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस आरोपी पति पत्नी की तलाश कर रही है। दोनों महासमुंद के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित रामभांठा निवासी समारू राम टंडन (51) है, वह पेशे से ड्राइवरी का काम करता है। वह अप्रैल 2025 में वाहन से रायपुर गया था। जयस्तंभ चौक के पास उसकी मुलाकात महासमुंद जिले के ग्राम भद्ररसी निवासी कुमार राम ठाकुर (60) और उसकी पत्नी

सोहद्रा बाई ठाकुर (55) से हुई। बातचीत के दौरान कुमार राम ठाकुर ने खुद को मंत्री रामविचार नेताम का बहनोई बताया। मंत्रालय में अच्छी पकड़ होने की बात कही। सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और अपना मोबाइल नंबर दिया। घर लौटने के बाद समारू ने अपने बेटे डीगेश कुमार का बायोडाटा भेजा। इसके बाद आरोपी ने नौकरी लगाने के नाम पर 5 लाख रुपए की मांग की।

बिजली कटौती का विरोध...कांग्रेस ने गुढियारी बिजली-ऑफिस घेरा

सुबोध हरितवाल बोले...जनता की मूलभूत जरूरतों में से एक है बिजली,आपूर्ति नहीं होने पर होगा बड़ा आंदोलन

रायपुर,07 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने बिजली कटौती और सहायता केंद्र में अनियमितता के विरोध में गुढियारी स्थित बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज करवाया। यह घेराव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुबोध हरितवाल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता और गुढियारी के लोगों ने किया। सुबोध हरितवाल ने अधिकारियों को बाहर बुलाया और कहा कि मैं एसी कमरे में आकर बात नहीं करूंगा और उल्टा अधिकारियों को बाहर धूप में बुलाकर बात की। जिससे एसी में रहने वाले अधिकारी गर्मी से परेशान जनता की तकलीफ को महसूस कर सके।

बिना सूचना बिजली हो जाती है गुल : सुबोध हरितवाल ने बताया कि, रायपुर राजधानी होने बावजूद और राज्य में सरप्लस बिजली होने के बाद भी यहां पर लगातार

बिजली कटौती जैसी समस्या से जनता को जूझना पड़ रहा है। अगर गुढियारी क्षेत्र की बात करे तो पिछले 5 दिनों से रोज रात बिजली बिना सूचना के गुल की जाती है। सुबह तक बिजली आने का कोई अंदेशा नहीं रहता और दुर्भाग्य ये है कि बिजली विभाग के सहायता केंद्र में फोन उठने वाला व्यक्ति गायब रहता है या तो फोन को उठाकर नीचे रख देता है। जिससे जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है और विभाग चैन की नींद सोता रहता है। सुबोध हरितवाल ने बताया कि, हमने अपनी मांगों से विभाग को रुबरु करवाते हुए जनता का विरोध दर्ज करवाया है। ये चेतावनी भी दी है कि व्यवस्था में यदि सुधार नहीं लाया गया तो उग्र आंदोलन होगा।

ये हैं प्रमुख मांगें...

1. रातभर के लिए हो रही बिजली कटौती तत्काल रोकी जाए।
2. लाइनमैन की व्यवस्था पर्याप्त हों जिससे काम तत्काल किया जा सके।
3. फ्यूज और डीओ बदलने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने के लिए कर्मचारी भेजे जाए।
4. ओवरलोड की वजह फेल हो रहे ट्रांसफार्मर की संख्या बढ़ाई जाए।

अधिकारियों से मिला आश्वासन

इस पर विभाग के उपस्थित अधिकारी एसई महेश ठाकुर और ईई रामकुमार साहू ने जनता को आश्वस्त किया है कि,जल्द से जल्द बिजली कटौती रुकेगी और साथ ही सहायता केंद्र ठेकेदार पर कार्रवाई भी की जाएगी।

वर्दी में पुलिस जवान ने पत्नी संग बनाई रील्स,लाइन अटैच की कार्रवाई

बिलासपुर,07 अप्रैल 2026। पुलिस यूनिफॉर्म में रील बनाना एक आरक्षक को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही पुलिस विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित आरक्षक को लाइन अटैच कर

दिया है। यह मामला बिलासपुर का है,जहां आरक्षक देवानंद कैवर्त ने पुलिस यूनिफॉर्म में रील बनाकर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद इसे यूनिफॉर्म के दुरुपयोग और अशोभनीय आचरण माना गया। जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने आदेश जारी कर आरक्षक देवानंद कैवर्त को मस्तूरी थाने से हटाकर रक्षित केंद्र,बिलासपुर अटैच कर दिया। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में अनुशासन बनाए रखने के सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। साफ है कि वर्दी की गरिमा से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बिलासा एयरपोर्ट के विस्तार का रास्ता साफ,सेना ने सौंपी 291 एकड़ जमीन,अब उतर सकेंगे बड़े विमान

बिलासपुर,07 अप्रैल 2026। बिलासा देवी चकरभाठा एयरपोर्ट के लिए हवाई सेवा शुरू होने के पांच साल बाद आखिरकार सेना ने अपनी 29018 एकड़ जमीन औपचारिक रूप से जिला प्रशासन को हस्तांतरित कर दी है। इस हस्तांतरण के बाद एयरपोर्ट के पास अब 64618 एकड़ जमीन हो गई है। यह एयरपोर्ट को 4 सी श्रेणी में अपग्रेड करने के लिए पर्याप्त है। जिला मुख्यालय में आयोजित प्रक्रिया के दौरान कर्नल ए। मजूमदार, कर्नल दिनेश पट्टाभि, लेफ्टिनेंट कर्नल नीरज सिंह और जबलपुर के रक्षा संपदा अधिकारी मोहम्मद शाद आलम ने कलेक्टर संजय अग्रवाल से मुलाकात कर स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर एन। वीरेन सिंह, एडीएम ज्योति पटेल और एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी भी उपस्थित रहीं। अतिरिक्त भूमि मिलने से रनवे विस्तार में आ रही तकनीकी बाधाएं दूर हो गई हैं। 4-सी कैटेगरी में अपग्रेड होने से अब महानगरों से बड़े विमानों की आवाजाही शुरू हो सकेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास और कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

भिलाई स्टील प्लांट में आग,खिड़की पर लटके कर्मचारी

पाइप के सहारे नीचे उतरकर बचाई जान,एक का पैर फ्रैक्चर,7 घायल

दुर्ग-भिलाई,07 अप्रैल 2026। भिलाई स्टील प्लांट के पावर प्लांट-2 में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 7 बीएसपी कर्मचारी घायल हो गए। एक संविदा कर्मचारी का पैर फ्रैक्चर हो गया है। वहीं, 10 कर्मचारियों ने पाइप के सहारे नीचे उतरकर जान बचाई। 20-25 फीट ऊंचाई पर खिड़की से बाहर निकलते कर्मचारियों का वीडियो भी सामने आया है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। वीडियो में दिख रहा है कि, आग और धुएं के गुबार के बीच कर्मचारी बचने के लिए खिड़की से बाहर निकल आए। कुछ कर्मचारी पाइप से लटककर नीचे उतरे, कुछ को कर्मचारियों ने मदद कर नीचे उतारा। हालांकि, फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया

गया। घायलों का इलाज जारी है। भिलाई प्रबंधन के मुताबिक, घटना 7 अप्रैल की सुबह करीब 10:05 बजे की है। पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन-2 के STG-4 टर्बाइन में अचानक आग लग गई। आग लगने से टर्बाइन हॉल में तेजी से धुआं फैल गया। कुछ ही मिनटों में पावर प्लांट का बड़ा हिस्सा धुएं से भर गया। आसमान में दूर तक धुएं और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही संयंत्र की अग्निशमन टीम तत्काल सक्रिय हो गई। फायर ब्रिगेड की 6 से अधिक गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर तेजी से कार्रवाई की और करीब 11:10 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इसके बाद क्षेत्र को सुरक्षित रूप से कूलिंग भी किया गया।

कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला गया

आग लगने के दौरान स्विचगियर कक्ष और कंट्रोल रूम में मौजूद सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, बाहर निकलने के दौरान भगदड़ में एक संविदा कर्मचारी के पैर में फ्रैक्चर हो गया।

7 कर्मचारियों को अस्पताल भेजा गया

एहतियात के तौर पर 2 नियमित कर्मचारियों और 5 संविदा श्रमिकों को सेक्टर-9 अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज किया गया। सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को मानसिक तनाव से निपटने विशेष अवकाश

विपश्यना ध्यान-शिविर में जाने के लिए मिलेगी 12 दिन की छुट्टी,ड्यूटी-डे में होगा काउंट

रायपुर,07 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ शासन ने अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य के अधिकारी-कर्मचारी विपश्यना ध्यान के 10 दिवसीय आवासीय शिविर में भाग लेने के लिए विशेष अवकाश प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश के अनुसार, अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों सहित राज्य सेवा के अधिकारी-कर्मचारियों को पूरे सेवाकाल में अधिकतम 6 बार विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल कैजुअल लीव) मिलेगा।

हर शिविर के लिए यात्रा समय समेत अधिकतम 12 दिन का अवकाश स्वीकृत होगा। अवकाश की स्वीकृति संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा, शासकीय कार्य प्रभावित न हो, इसे ध्यान में रखकर दी जाएगी। इस अवधि को ऑन ड्यूटी माना जाएगा और पूरा वेतन दिया जाएगा।

गैस सिलेंडर नहीं मिलने से आक्रोश : ग्रामीणों ने किया चक्काजाम,कहा...बुकिंग के 20 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिलने से हो रही परेशानी

दुर्ग,07 अप्रैल 2026। जिले के ग्राम करसा गांव में आज उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई,जब बीते 20 दिनों से बुकिंग किए गए एचपी गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार शिकायत और इंतजार के बावजूद उन्हें समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। खासकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। सड़क के दोनों ओर वाहनों की

लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों ने गैस एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

पूर्वजों की त्याग,तपस्या और बलिदान के कारण आज सत्ता में हैं : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर,07 अप्रैल 2026। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन में रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायी संबोधन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास का संचार कर दिया। अपने प्रभावशाली उद्बोधन में श्री अग्रवाल ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस शिखर पर पहुंची है,वह किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पीढ़ियों के त्याग, तपस्या और अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आज हम जो सांसद, विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री हैं, वह अपने दम पर नहीं हैं, बल्कि कार्यकर्ताओं के कंधों पर बैठकर इस मुकाम तक पहुंचे हैं।' उन्होंने कहा कि आज देशभर में भाजपा की सरकार है और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय जी

के नेतृत्व में सरकार जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रही है। रायपुर नगर निगम में 70 में से 60 पार्षदों का भाजपा के है आज पार्टी जहां पे भी वो कार्यकर्ताओं की मेहनत से है। कार्यकर्ता ही पार्टी की आत्मा और सबसे बड़ी ताकत है। यदि कार्यकर्ता मजबूत है तो संगठन अजेय है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी के रूप में कहा कि 'अगर कार्यकर्ता नहीं रहेंगे तो कोई भी चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसलिए मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक सभी को कार्यकर्ताओं की चिंता करनी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही उनका कर्तव्य है। 'अपने जोशीले अंदाज में उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें घबराने या डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में चल रही जनहितकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि जहां भाजपा नहीं है,वहां भी पार्टी का विस्तार करें और जनाधार को और अधिक मजबूत बनाए। बृजमोहन अग्रवाल ने पार्टी के संघर्षपूर्ण प्रारंभिक दौर को स्मरण करते हुए कहा कि एक समय ऐसा भी था जब कार्यकर्ताओं को जेल जाना पड़ता था,लाठियां खानी पड़ती थीं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)